हरिभूमि
रोहतक भूमि
रोहतक, सोमवार, 9 जून 2025

तापमान

अधिकतम 45 .8 डिग्री
न्यूनतम 25 .2 डिग्री

11 एफएलएन के माध्यम से नए आयामों को छूते शिक्षक ...

12 बालिकाओं को दिया वैदिक संस्कारों का संदेश

शहर में आज

- आंबेडकर चौक पर रक्तदान शिविर सुबह 9 बजे से

बिजली कट

- सुबह 9 से 11.30 तक फ्रेंड्स कॉलोनी, माजरा गांव, अस्थल बोहर, सेक्टर 27

खबर संक्षेप

आधार सेंटर दिलाने के नाम पर 40,040 ठगे

महम। महम के फरमाणा खास गांव के रहने वाले नवदीप पुत्र राजेंद्र नामक युवक को ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार होना पड़ा है। ठगों ने उसे आधार सेंटर दिलाने का झांसा देकर उससे 40040 रुपए ठग लिए। नवदीप ने इस संबंध में महम थाने में शिकायत दर्ज कराई है और पुलिस से कानूनी कार्रवाई कर अपने पैसे वापस दिलाने की गुहार लगाई है। पुलिस शिकायत में नवदीप ने बताया कि एक सीएससी सेंटर चलाता है। पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उन्होंने इंस्टाग्राम पर आधार सेंटर दिलाने संबंधी एक विज्ञापन देखा था। ठगों ने उसको आधार सेंटर दिलाने का लालच दिया। ठगों ने अलग-अलग बार में क्यूआर कोड भेजकर 40040 रुपए अपने बैंक खातों में डलवा लिए।

एसडी पब्लिक स्कूल में मेहंदी प्रतियोगिता आज

रोहतक। स्टडी फॉर एज ट्रस्ट द्वारा तीसरी जिला स्तरीय मेहंदी प्रतियोगिता का आयोजन आगामी सोमवार 9 जून को एसडी पब्लिक स्कूल में किया जाएगा। प्रतियोगिता की तैयारियों को लेकर ट्रस्ट की टीम ने कमर कस ली है। इस आयोजन को सफल बनाने हेतु रविवार को ट्रस्ट के प्रधान मनजीत सिंह, हरियाणा जंप रोप के महासचिव वीर सिंह आर्य, जिला रोहतक स्टडी फॉर एज ट्रस्ट की इवेंट मैनेजमेंट इंचार्ज पूजा शर्मा तथा उनकी टीम के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। आयोजकों ने बताया कि इस प्रतियोगिता में करीब 100 प्रतिभागियों के शामिल होने की संभावना है।

6वीं नेशनल मुए थाई चैंपियनशिप आज से

रोहतक। 6वीं नेशनल मुए थाई चैंपियनशिप 2025 का आयोजन 9 से 14 जून तक महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय, रोहतक में किया जाएगा। इस राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता का आयोजन मुए थाई स्पोर्ट्स एसोसिएशन हरियाणा और यूनाइटेड मुए थाई एसोसिएशन इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में किया जा रहा है। हरियाणा प्रदेश महासचिव सोमबीर वशिष्ठ ने बताया कि इस प्रतियोगिता में 1500 से अधिक महिला और पुरुष खिलाड़ी भाग लेंगे।

सांगाहेड़ा में बहन ने भाई को आत्महत्या करने से रोका तो चाकू घोंपकर किया कत्ल

युवक ने जहर खाया, पीजीआई में भर्ती ▶▶ कई दिन से मानसिक परेशानी में युवक

- पिता खेत में गए हुए थे और मां किसी पारिवारिक कार्य से बाहर गई थी
- मानसिक परेशानी बनीं बहन की हत्या की वजह

हरिभूमि न्यूज ▶▶ कलानौर

कस्बे के गांव सांगाहेड़ा में एक बहन ने अपने भाई की जान बचाने के लिए अपनी ही जिंदगी दांव पर लगा दी। तनावग्रस्त भाई सुसाइड करने लगा तो बहन उसे रोकने के लिए उससे भिड़ गई। गुस्से में भाई ने अपनी बहन की चाकू से वार कर जान ले ली और खुद भी जहरीला पदार्थ निगल लिया। आरोपी युवक गंभीर हालत में पीजीआई में उपचाराधीन है।

मृतका की पहचान 23 वर्षीय सुरक्षा के रूप में हुई है जबकि आरोपी उसका सगा भाई अनिल है। जो काफी समय से परेशान चल रहा है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

जानकारी के अनुसार, रविवार को दोनों भाई-बहन घर पर अकेले थे। पिता खेत में गए हुए थे और मां किसी पारिवारिक कार्य से बाहर थी। अनिल कुछ समय से मानसिक तनाव में था। वह कई बार आत्महत्या की बातें करता था। जब उसने जहर निगलने की कोशिश की और सुरक्षा ने हस्तक्षेप किया तो उसने आवेश में आकर उस पर चाकू से कई वार कर दिए, जिससे मौके पर ही उसकी मौत हो गई। इसके बाद युवक ने भी जहरीला पदार्थ निगल लिया।

पड़ोसी के आने पर हुआ खुलासा

इस घटना का खुलासा तब हुआ जब एक पड़ोसी व्यक्ति किसी काम से घर आया और उसने सुरक्षा के शव को देखा। साथ ही अनिल भी बेहोशी की हालत में पड़ा हुआ था। इसके बाद परिजनों को सूचना दी गई और पुलिस मौके पर पहुंची। अनिल को पीजीआई भर्ती कराया गया। गांव में हुई इस घटना से मातम पसरा हुआ है। अनिल का परिवार भी सदमे में है। उनकी एक बेटी की मौत हो चुकी है जबकि बेटा पीजीआई में भर्ती है। पुलिस और एफएसएल टीम ने मौके का निरीक्षण कर जांच शुरू कर दी है।

गांव में हर तरफ मातम पसरा

गांव सांगा हेडा में हुई घटना के बाद गांव में हर तरफ मातम पसरा हुआ है। ग्रामीणों का कहना है कि युवक काफी दिनों से परेशान चल रहा था। लेकिन ग्रामीण यह नहीं बता पाए कि युवक को क्या परेशानी है जिसकी वजह से उसने इतनी बड़ी वारदात को अंजाम दे डाला। वही बताया जा रहा है कि घटना के समय घर में केवल बहन-भाई ही मौजूद थे। ऐसे में कोई प्रत्यक्षदर्शी नहीं मिलने की वजह से पुलिस को गहनता से जांच पड़ताल करनी पड़ेगी। पुलिस को मामले में परिवार के सदस्यों और घायलों के बयान मिलने का इंतजार है।

बयान के आधार पर कार्रवाई की जाएगी

युवती के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पूरे मामले की गहनता से जांच की जा रही है। परिवार वालों के बयान के आधार पर आगामी कार्रवाई की जाएगी।
-सुलेंद्र नागर, कलानौर थाना प्रभारी

हड़ताल में शामिल नहीं होने पर की थी मारपीट

पीजीआई कर्मियों से मारपीट के आरोपियों को डीएसपी ने तलब किए

- एससीएसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

पीजीआई में चल रही हड़ताल का विरोध करने पर कर्मचारियों से मारपीट के आरोपियों को डीएसपी ने तलब कर लिया है। अब उन्हें पुलिस के समक्ष पेश होना पड़ेगा। पीड़ित कर्मचारी अनिल, आशा, मंजू आदि ने बताया कि हमें पीजीआई संस्थान और पुलिस पर पूरा भरोसा है और उन्हें पूरा न्याय मिलेगा। हड़ताल में शामिल नहीं होने पर उनके साथ मारपीट की गई थी और जाति सूचक शब्द भी कहे गए थे। इस संबंध में एससी एसटी एक्ट के तहत मामला दर्ज हुआ है। अब न्याय मिलने में देरी नहीं होनी चाहिए।

न्याय नहीं मिला तो भूखे रहकर ड्यूटी करेंगे

पीड़ित अनिल, आशा आदि ने बताया कि पुलिस और प्रशासन को आरोपियों अभिषेक, चांद, राकेश और अमित को तुरंत गिरफ्तार करना चाहिए। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि तब तक वे काली पट्टी बांधकर ड्यूटी करेंगे और जरूरत पड़ी तो भूखे रहकर ड्यूटी करेंगे, लेकिन मरीजों को परेशानी नहीं होने देंगे।

एसपी ऑफिस पर धरने की चेतावनी

पीड़ित कर्मचारियों ने बताया कि कई दिन बीत जाने के बाद भी आरोपियों पर कार्रवाई नहीं की गई। जबकि पुलिस ने केस भी दर्ज किया हुआ है। हड़ताल में बाहर के लोग शामिल हैं, उन्हें विजय पार्क से उठवाया जाए।

युवक का अपहरण कर बुरी तरह पीटा, कपड़े भी फाड़े

रोहतक। सोनीपत के युवक के साथ कुछ लोगों ने गाड़ी में अपहरण कर मारपीट की। आरोपियों ने युवक के कपड़े फाड़े और जान से मारने की धमकी भी दी। युवक का शोर सुनकर लोगों को अपनी तरफ आता देख आरोपी उसे जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। सोनीपत निवासी पीड़ित कृष्ण ने बताया कि वह भाई विनोद के साथ रोहतक आया था। प्रवीण के साथ शीला बाईपास पर कपड़े की दुकान के पीछे बने ऑफिस में रुके हुए थे। इसी दौरान प्रवीण के सोनीपत से 3 दोस्त आ गए, जिन्हें वह जानते हैं। वो तीनों भी रात को वहीं रुकने के लिए पहुंचे। कृष्ण ने बताया कि रात को करीब दो बजे सुमित के पास दीपक व हरेंद्र का फोन आया, जिन्होंने मिलने के लिए बुलाया। सुमित के कहने पर वह उनके पास मिलने के लिए चला गया। जब वह होटल से निकलकर जाने लगे तो दीपक, हरेंद्र ने उसे गाड़ी में बैठने के लिए कहा। जब मना किया तो हरेंद्र व सुमित ने उसे गाड़ी की पिछली सीट पर धकेल दिया और अंदर घुसकर मारपीट करने लगे। साथ ही उसके कपड़े भी फाड़ दिए। दीपक गाड़ी को गलियों में घुमाता रहा, जबकि हरेंद्र व सुमित उसके साथ मारपीट करते रहे। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वारदात में शामिल आरोपी दीपक गिरफ्तार, 2 दिन के पुलिस रिमांड पर

रिटौली के अनिल हत्याकांड में पुलिस का खुलासा, भाऊ ने विदेश से रची थी साजिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

जिला पुलिस की सीआईए-1 स्टाफ की टीम ने रिटौली निवासी अनिल की गोली मारकर हत्या करने की वारदात का खुलासा करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया, जिसे अदालत के आदेश पर दो दिन के रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है। वारदात में शामिल रहे अन्य आरोपियों की तलाश की जा रही है। मामले की गहनता से जांच चल रही है। प्रभारी सीआईए-1 स्टाफ निरीक्षक कुलदीप सिंह ने बताया कि 1 जून 2025 को पुलिस को सूचना मिली कि रोहतक बालंद रोड पर अज्ञात युवकों ने मोटरसाइकिल सवार युवक की गोली मारकर हत्या करने की वारदात को अंजाम दिया गया है। पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर पहुंच कर जांच शुरू की। मृतक युवक की पहचान अनिल निवासी रिटौली के रुप में हुई। मृतक युवक के भाई सुनील की शिकायत के आधार पर थाना शिवाजी कॉलोनी मे अभियोग अंकित कर जांच शुरु की गई। मामले की जांच सीआईए-1 स्टाफ द्वारा अमल में लाई गई। एएसआई विनोद दलाल के नेतृत्व में सीआईए स्टाफ के टीम ने छापेमारी करते हुए आरोपी दीपक निवासी गांव माडोदी जाटान को गिरफ्तार किया गया है। वारदात में शामिल रहे अन्य आरोपी फरार चल रहे है जिन्हें जल्द ही गिरफ़्तार किया जाएगा।

रोहतक। आरोपित पुलिस की गिरफ्त में। फोटो : हरिभूमि

दीपक पर सात केस दर्ज

दीपक पर सोनीपत, खरखौदा, शिवाजी कॉलोनी रोहतक, सिटी थाना रोहतक सहित कलानौर और दिल्ली में सात केस दर्ज हैं। जिनमें कोर्ट में कार्रवाई चल रही है। योजना विदेश में बैठे हिमांशु उर्फ भाऊ द्वारा रची गई है। जिसके बाद वारदात को अंजाम तक पहुंचाया गया।

भिवानी रोड पर महम के नजदीक हुआ सड़क हादसा

अचानक नील गाय के आने से अनियंत्रित कार खेतों में जा गिरी, युवक की मौत

- पत्नी व बच्चों को लेने जा रहा था युवक, सैमाण गांव में पसरा मातम

हरिभूमि न्यूज ▶▶ महम

रविवार दोपहर को महम के पास भिवानी रोड पर हुए एक सड़क हादसे में एक कार चालक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। युवक की पहचान सैमाण गांव निवासी अजय कुमार शर्मा पुत्र अनिल कुमार शर्मा के रूप में हुई है। मृतक की उम्र साढ़े 31 साल थी। वह शादीशुदा था और उसके दो बच्चे भी हैं। बच्चों की स्कूल की छुट्टियों के चलते अजय कुमार की पत्नी अपने बच्चों के साथ अपने मायके सिधनवा गांव गई हुई थी। रविवार दोपहर साढ़े 12 बजे अजय कुमार अपनी पत्नी व बच्चों को लेने के लिए सैमाण गांव स्थित अपने घर से कार लेकर चला था। जब वह महम बाइपास से निकलते ही भिवानी रोड पर पानी की टंकी बनाने वाली फैक्टरी के पास पहुंचा तो अचानक उसकी गाड़ी के आगे एक नीलगाय आ गई। उसने नीलगाय को बचाने का प्रयास किया। लेकिन गाड़ी अनियंत्रित होकर खेतों में जा गिरी। इस हादसे में कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। इस हादसे में अजय कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। राहगीर उसे नागरिक अस्पताल महम में लेकर पहुंचे। जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलते ही महम पुलिस भी नागरिक अस्पताल पहुंची। पुलिस ने परिजनों के बयान दर्ज किए हैं। मृतक के परिजन शिक्षक कृष्ण कुमार ने बताया कि सात साल पहले अजय की शादी भिवानी जिले के सिंधनवा गांव में हुई थी। मृतक की दो बेटियां हैं। बड़ी बेटी पांच साल की है और छोटी बेटी तीन साल की है। युवक की मौत की खबर सुनते ही सैमाण गांव में मातम छा गया। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में ले लिया है और पोस्टमार्टम के लिए रोहतक पीजीआई भेज दिया है।

महम। सड़क हादसे के बाद क्षतिग्रस्त कार को देखते राहगीर।

महम। मृतक के शव को एंबुलेंस से उतारकर अस्पताल में ले जाते परिजन।

खरखौदा हुंडई कंपनी में काम करता था अजय

अजय खरखौदा स्थित हुंडई कंपनी में काम करता था। रविवार को उसके कार्यालय की छुट्टी थी और छुट्टी की वजह से घर पर आया हुआ था। वह अपने माता पिता का बड़ा बेटा था। उसका एक छोटा भाई भी है जो महम में ही एक बैंक की एक शाखा में मैनेजर है। दोनों भाइयों की शादी एक ही घर में भिवानी जिले के सिंधनवा गांव में की हुई थी। दोनों सगे भाइयों की पत्नी भी सगी बहनें हैं। छोटी बहन सैमाण में ही थी। जबकि बड़ी मायके गई हुई थी। जिसको लेने के लिए अजय घर से कार लेकर चला था।

हाय रे गर्मी राज्य का औसत अधिकतम तापमान बीते 24 घंटे में 2.6 और न्यूनतम में 1.5 डिग्री बढ़ा

प्रदेश में सिरसा के बाद रोहतक सबसे ज्यादा गर्म रहा, अब दिन ही नहीं, रात भी तपेगी, न्यूनतम पारा 29.6 डिग्री पहुंचा

अमरजीत एस गिल ▶▶ रोहतक

प्रदेश के मौसम को लेकर जो आशंकाएं बीते 72 घंटे से व्यक्त की जा रही थी, वे रविवार को सही साबित हो गई। दिनभर लू चली और रोहतक का अधिकतम तापमान 45.3 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। सिरसा के बाद रोहतक सबसे अधिक गर्म रहा। शनिवार को रोहतक का दिन का पारा 42.9 डिग्री सेल्सियस था। पारा में 24 घंटे में 2.4 डिग्री की बढ़ोतरी हुई। ध्यान रहे कि शुक्रवार की बजाय शनिवार को भी दिन के तापमान में 1.4 का इजाफा हुआ था। तापमान में रोज हो रही बढ़ोतरी की वजह से अब न केवल दिन तपेंगे, बल्कि रातों में भी असहनीय गर्मी होगी। क्योंकि

न्यूनतम तापमान में भी नित बढ़ोतरी हो रही है। शनिवार सुबह पारा 27.8 पर था। रविवार को सुबह साढ़े बजे रोहतक का तापमान 29.6 डिग्री सेल्सियस रहा। जोकि सामान्य से 3.4 डिग्री अधिक है। आने वाले दिनों में रात के तापमान में और भी वृद्धि होने का पूर्वानुमान आईएमडी चंडीगढ़ ने जारी किया है। आईएमडी के मुताबिक ही सिरसा में रविवार को अधिकतम तापमान 45.8 और न्यूनतम 30.2 डिग्री दर्ज किया गया है। सिरसा और रोहतक के बाद हिसार का 44.8 पलवल का 44.2,भिवानी का 43.8,मेवात का 43.3,अंबाला और चंडीगढ़ का क्रमशः 42-42 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। कुल मिलाकर राज्य का औसत अधिकतम तापमान बीते 24 घंटे में 2.6 और न्यूनतम में 1.5 डिग्री बढ़ा है।

पश्चिमी हवाओं ने बिगाड़े हालात

तीन दिन में राजस्थान की ओर से आ रही शुष्क पश्चिमी हवाओं ने हरियाणा के मौसम में एकदम से बड़ा बदलाव कर दिया है। हवा में नमी की मात्रा हर रोज कम हो रही है। रविवार दोपहर साढ़े तीन बजे नमी की 20-25 प्रतिशत दर्ज की गई। गर्मी कितनी भंयकर पड़ने लगी है इसका सहज ही अंदाजा लगाया जा सकता है कि रविवार को शाम सात बजकर 20 मिनट पर सूर्यास्त के बाद भी पारा 43 डिग्री से नीचे आने को तैयार नहीं था। मौसम विभाग को आशंका है कि सुबह तक तापमान में मुश्किल से छह-सात डिग्री की कमी होकर 36-37 डिग्री तक पहुंचेगा।

ये वजह होगी रात तपने की

दिन में भीषण गर्मी पड़ती है तो देर रात तक भी पारा ज्यादा नीचे नहीं उतरता है। इसका सीधा असर रात के तापमान पड़ता है। दिन में अधिक गर्मी रहने के कारण जमीन की बिल्कुल ऊपरी सतह का तापमान भी बढ़ता है। इसके अलावा कंक्रीट की सतह/मकानों की दीवारें दिन में गर्मी को अवशोषित करती हैं और रात में इसे उत्सर्जित करती हैं। जिससे रात का तापमान बढ़ता है।

गत वर्ष मई के अंतिम दिनों में बरपा था कहर

साल 2024 में तो गर्मी का कहर मई के अंतिम सप्ताह में ही बरपना शुरू हो गया था। 26 को तापमान 46, 27 को भी 46, 28 को 47, 29 को भी 47, 30 को 46 और 31 मई को 47 डिग्री सेल्सियस था। इसी प्रकार 1 जून को 44, 2 को 44, 3 को 45, 4 को 44, 5 को 44, 6 को भी पारा 44 था। लेकिन इस बार एक जून को 38,2 को 36, 3 को 33, 4 को 34, 5 को 37, 6 को 39 और गत शनिवार 7 जून को 41.5 डिग्री दर्ज रहा। जून के पहले सप्ताह में गर्मी इसलिए नहीं पड़ी, क्योंकि उस दौरान राज्य में पश्चिमी विक्षोभ की गतिविधियों की वजह बूंदाबांदी और आंधी चल रही थी।

25 योग कक्षाओं को मिला योग प्रोटोकॉल का प्रशिक्षण

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी शुरू

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रोहतक

भारत स्वाभिमान पतंजलि योग समिति द्वारा आगामी 21 जून को मनाए जाने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मद्देनजर एक विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन पुरानी आईटीआई स्थित बाबा बालकपुरी मेमोरियल पार्क आदर्श योग कक्षा में किया गया। इस प्रशिक्षण में जिले की 25 निशुल्क योग कक्षाओं के योग शिक्षकों को योग प्रोटोकॉल के अभ्यासों का विस्तार से प्रशिक्षण दिया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि चरणजीत सिंह खट्टर रहे, जबकि अध्यक्षता जिला अध्यक्ष जगबीर सिंह आर्य ने की। बहन दया आर्य ने ताड़ासन, वृक्षासन, अर्धचंद्रासन, त्रिकोणासन, पद्मासन, वीरभद्रासन, वक्रासन, मंडूकासन, वज्रासन जैसे विभिन्न आसनों का अभ्यास करवाया। साथ ही अनुलोम विलोम, कपालभाति, भ्रामरी, उद्गीत, प्रणव ध्यान व शीतलीकरण अभ्यासों का अभ्यास करवाकर योग प्रोटोकॉल का समापन शांति पाठ के साथ किया गया। इस विशेष अवसर पर जिले की विभिन्न योग कक्षाओं के वरिष्ठ योग शिक्षकों को आदर्श योग समिति की ओर से मेडल पहनाकर सम्मानित किया गया। सम्मान पाने वालों में शामिल रहे देवी सिंह (गोकर्ण पार्क), डॉ. राजीव शर्मा (विकास नगर), विद्यासरण (हाउसिंग बोर्ड कॉलोनी), सज्जन सिंह (जनता कॉलोनी), मनोज राठी (पुरानी आईटीआई पार्क), डॉ. धर्मदेव, डॉ. जगबीर आर्य (हर्बल पार्क, सेक्टर-3), सुनीता (सैनिक पार्क) आयुष सहायक विकास, धीरेंद्र शास्त्री, संतोष, हरीश दुआ, जगदीश ग्रोवर, राजेंद्र जुनेजा समेत अन्य को सम्मान मिला है। कार्यक्रम में हजारों योग साधकों की उपस्थिति रही।

कभी फूलों की तरह मत जीना,
जिस दिन खिलोगे बिखर जाओगे
जीना है तो पत्थर की तरह जियो,
किसी दिन तराशे गए तो खुदा बन जाओगे।
- हरिवंश राय बच्चन

शनिवार के दिन सुबह-सुबह औरतें पीपल के पेड़ पर मिठाई और चंद सिक्के शनिदेव को खुश करने के लिए चढ़ा जाती थी। शनिवार को स्कूल की छुट्टी भी बहुत जल्दी होती थी। मैं जल्दी ही छुट्टी से भी जल्दी भागती हुई घर की तरफ़ आती और वहां रखी मिठाई और सिक्के उठा लेती। मिठाई पेट के हवाले और सिक्के स्कूल बैग की जेब के हवाले कर देती थी।

कहानी
ललिता विम्मी

वो मेरी गलियां

बहुत दिनों बाद, आज अपने शहर, अपनी गली, अपने घर की तरफ़ जाना हुआ था। हालांकि मेरा कुछ नहीं बचा था वहां, बहुत पहले ही सब के ठिकाने बदल गए थे। चिलचिलाती धूप, गर्म लूं के थपेड़े, सिर पर ओढ़े हुए सूती दुपट्टे को एक बार फिर और खोल कर लपेट लिया था मैंने।

वही गली थी, बस अब पक्की बन गई थी। बड़ी सी मुख्य सड़क के सामने मेरे घर की भीड़ी सी गली। मुख्य सड़क पर एक ओर मंदिर था, मंदिर के बाहर एक विशाल पीपल का पेड़ हुआ करता था। पीपल के पेड़ के बराबर में एक तंग सी गली, और गली के बराबर में ही सीधे हाथ पर एक दुकान जहां टाफियाँ, पीले रंग के नमकीन रोल, जो फूंक मारने से ही उड़ जाते थे। मीठी और तरह तरह के रंगों की रंगीन सी गोलियां बहुत मज़ा आता था उन्हें खाने में। कभी अलग-अलग रंग लेती, तो कभी एक जैसा रंग। दुकान वाला चाचा, जो कि सबका चाचा था, बहुत डांटता था, रंग खाने हैं या गोलियाँ'?

पीपल के पेड़ के बायें हाथ को भी एक छोटी सी हलवाई की दुकान थी जहां दूध, मिठाइयां और प्रसाद मिलता था।

शनिवार को सुबह-सुबह औरतें पीपल के पेड़ पर मिठाई और चंद सिक्के शनिदेव को खुश करने के लिए चढ़ा जाती थी। शनिवार को स्कूल की छुट्टी भी बहुत जल्दी होती थी। मैं जल्दी ही छुट्टी से भी जल्दी भागती हुई घर की तरफ़ आती और वहां रखी मिठाई और सिक्के उठा लेती। मिठाई पेट के हवाले और सिक्के स्कूल बैग की जेब के हवाले। मेरा एक सहपाठी नवीन जो कि मेरे साथ ही स्कूल जाया करता था। शायद मुझे ये सब करते देख चुका था। मेरे घर शिकायत करने की उसमें हिम्मत नहीं थी, क्यों कि उस समय मैं अपने ग्रुप की सरदार थी और नवीन जैसे बहुत से बच्चे, जिन्हें दूसरे बच्चों से झगड़ने से डर लगता था। वे सरदार की शरण में रहते थे। शनिदेव के उन सिक्कों से मेरा व्यापार भी चलता था। बहुत बच्चों को मैंने उधार दे रखा था। वापसी तो किसी से भी नहीं हुई थी पर पैसों के चलते मेरा अलग ही रौब था।

एक दिन हमारे स्कूल के बाहर एक अलग तरह की कुल्फी प्लेट में बिक रही थी, उसमें लच्छे भी थे। मुझे उस कुल्फी की बहुत इच्छा हुई, मेरी उस समय की भाषा में मुझे बस कुल्फी की भूख लगी थी। मैंने अपने सारे देनदारों से पैसे वापस मांगे, और वो भी धमका कर।

आधी छुट्टी पूरी होने तक मुश्किल से पैसे इकट्ठे हुए, मैंने कक्षा में ना जाकर कुल्फी वाले के पास खड़े होकर कुल्फी खाई।

मेरे पीछे मुझ से प्रताड़ित बच्चों ने मीटिंग करके आते ही मुझे टीचर से प्रताड़ित करवाया। मैं बहुत ही दुखी धीमे-धीमे कदमों से घर पहुंची ही थी कि घर पर भी एमरजेंसी अदालत लगी हुई थी। मुझे स्कूल में पिटता देखकर शायद नवीन के भी पर निकल आये थे। उसने मेरे घर में मेरी मां को सब बता दिया था ।

मां बेचारी बहुत परेशान थी, उन्हें ये चिंता थी कि शनिदेव के पैसे उठाकर जो भूल लड़की ने की है, शनिदेव से कैसे क्षमा याचना करवाई जाये।

बड़े ताऊजी और बड़ी मां को ये चिंता थी कि लड़की की जात और बदमाशी लड़कों से भी बढ़कर, यही संस्कार है तो आगे क्या करेगी? पापा को ये चिंता थी कि पीपल के पेड़ पर से कुत्ते भी चीजें खाते रहते हैं। इतनी गंदगी, इतनी मक्खियां, बच्ची को कोई बीमारी लग गई तो? मां को भी डांट रहे थे, तुम उसे उसकी पसंद का नहीं खाने देती ना, इसलिए तो उसने ये भिखारियों से भी बदतर हरकत की।

मेरे गली के दूसरे बच्चे जो मेरे शैक्षणिक स्तर से हमेशा जलते थे, बड़े खुश थे कि आज आयेगा मजा मैडम बुद्धि माता को डंडे पड़ेंगे जब।

मैं बेचारी अकेली इतने लोगों की भीड़, सब के तेज तलवार से प्रश्न, ऊपर से गर्मी, मां ने तो आते ही दो जड़ दिए, बड़ी मां जैसे और जड़वाने के चक्कर में थी।

'ना छोटी, अभी मत मारो, पहले सारी बात पता कर, क्या पता और भी कहां-कहां से पैसे चुराये हों'। उस दिन की पिटाई से मैं शरीफ़ बच्ची बन गई थी। पीपल के पेड़ पर रखी मिठाई फिर भी मुझे ललचाती थी, पर मैं मुंह फेर के निकल जाती थी।

मैं कभी अपने घर की गली और कभी सामने मंदिर के बराबर की तंग गली देखकर थक चुकी हूं। शायद मुझे किसी ने नहीं पहचाना इसलिए तो कोई बोला नहीं। मैं वापस जाने के लिए रिक्शा बुलाने ही वाली थी कि ट्रेन की सीटी और छुकछुक की आवाज सुनाई दी। मेरे कदम मंदिर के उस तरफ वाली चौड़ी सड़क की तरफ दौड़ पड़े, जहां से चंद क्षणों के फासले पर मैं रेल की पटरी के पास पहुंच जाऊंगी। पहले मैं यहां ट्रेन आने से पहले नकली खेलने वाले नोट रखकर इंतजार करती थी कि कब इन पर से ट्रेन गुज़रे और कब ये असली हो जायें। आज मन कर रहा था कि क्यों ना बैग के सारे नोट निकाल कर ट्रेन की पटरी पर रख दूं,ताकि ये नकली ही हो जायें, और मेरे वो लम्हें मेरे वो दोस्त, मेरी वो गलियां, मेरा वो पीपल मुझे वापस मिल जाए।

मैंने दादागिरी भी छोड़ दी और नवीन से भी दोस्ती खत्म कर ली थी।

अब मेरी दोस्ती गली के कुत्तों और सांडों तथा गायों से हो गई थी। स्कूल से आने के बाद मैं इन्हीं के साथ खेलती, इन्हीं के साथ भागती। इनके ऊपर रंग से कभी अपना नाम लिखती तो कभी इनका नाम जो मैंने ही रखा था। मेरे एक आवाज लगाते ही मेरे ये दोस्त तुरंत मेरे पास आ जाते थे। गौरी, कजरा, मेरी गाय थी। शेरू छुटकु,कालु और भौंभौं, ये कुत्ते थे। विनायक छोटा बछड़ा था और बब्बर बड़ा और मोटा ताजा सांड था।

डाकौत पंडित की घरवाली अब सुबह शाम पीपल की सफाई करने आती थी। पर सिर्फ शनिवार को।

तंग गलियां धीरे-धीरे और तंग हो गई हैं, क्योंकि लोगों के घर की दहलीजें गलियों तक आ गई हैं। कमरों के ऊपर कमरे बनाकर लोगों ने आसमानी हवा को भी घेर लिया है। आजकल शनिदेव यहां मिठाई खाने भी नहीं आते क्योंकि, पीपल काट कर कई दुकानें बना दी गई हैं, जिनमें एक तो ब्रांडेड मिठाई की भी दुकान है।

मंदिर के ऊपर भी दो मंजिल बन गई हैं, जो शादी-ब्याह में बैंक्वेट हाल का काम करती हैं। तपती चिलचिलाती धूप में कोई शख्स बाहर ही नहीं था तो अपने या अनजान की पहचान कैसे करती। बार-बार गली में झांक रही थी। लग रहा था कि कोई अपना सा अहसास गर्म लूं के साथ आ रहा था। सामने पलट कर दुकानों की चमचमाती भीड़ में से अपनी मीठी गोलियों वाली दुकान तलाशने की कोशिश की, पर जैसे कोई नहीं थी वहां। तुक्के से गली के कोने वाली दुकान पर जाकर मीठी रंग-बिरंगी गोलियां मांगी तो हैरान से दुकानदार ने ब्रांडेड टाफियों का जार मेरी तरफ सरका दिया था।

मैम, शायद आपको ये चाहिए? निरूतर सी मैं एक ठंडी लैमन की बोतल खरीद कर बैग के हवाले करती हूं। मुझे लगभग बीस मिनट हो गए हैं, छुटकु कालू,भौंभौं, शेरू कोई भी नहीं दिखा। गौरी और कजरी तो पीपल के पेड़ के नीचे बैठी रहती थी, पर अब तो वो पीपल भी नहीं था। बब्बर तो धूप में भी ढां-ढां करता घूमता था। वो भी नजर नहीं आया कहां चले गए सब।

मैं कभी अपने घर की गली और कभी सामने मंदिर के बराबर की तंग गली देखकर थक चुकी हूं। शायद मुझे किसी ने नहीं पहचाना । इसलिए तो कोई बोला नहीं।

मैं वापस जाने के लिए रिक्शा बुलाने ही वाली थी कि ट्रेन की सीटी और छुकछुक की आवाज सुनाई दी। मेरे कदम मंदिर के उस तरफ वाली चौड़ी सड़क की तरफ दौड़ पड़े, जहां से चंद क्षणों के फासले पर मैं रेल की पटरी के पास पहुंच जाऊंगी। पहले मैं यहां ट्रेन आने से पहले नकली खेलने वाले नोट रखकर इंतजार करती थी कि कब इन पर से ट्रेन गुज़रे और कब ये असली हो जायें। आज मन कर रहा था कि क्यों ना बैग के सारे नोट निकाल कर ट्रेन की पटरी पर रख दूं,ताकि ये नकली ही हो जायें, और मेरे वो लम्हें मेरे वो दोस्त, मेरी वो गलियां, मेरा वो पीपल मुझे वापस मिल जाए।

मैं पटरी के पास पहुंच तो गई पर ट्रेन दनदनाती हुई निकल चुकी थी।

कविता
कृष्ण गोपाल विद्यार्थी

मेरे मन की बात

आदमी में इस कदर विष भर गया है।
विषधरों का वंश सारा डर गया है।
कल सुनोगे आदमी के काटने से,
रास्ते में सांप कोई मर गया है।

दुनिया में जिधर देखो नजर आते हैं पत्थर श।
उठ-उठ के एक-दूजे से टकराते हैं पत्थर।
है ख्वाब तो हसीन कि मंदिर में सजेंगे ,
छेनी की चोट से मगर घबराते हैं पत्थर।

चेहरों पर मुस्कान नहीं है, दिल में हिन्दुस्तान नहीं है।
कहने को तो फूल हैं लेकिन खुशबू से पहचान नहीं है। जब-से कट्टरपंथी डायन आन बसी है इस बस्ती में,सब हिन्दू या मुसलमान हैं, कोई भी इन्सान नहीं है।

हवाओं को तो बेशक खल रहा हूँ।
चिराग़ों की तरह मैं जल रहा हूँ।
जिन्होंने राह में कांटे बिछाए,
उन्हें भी साथ लेकर चल रहा हूँ।

कविता
राज ख्यालिया

लहू में डूबी वादियां

लहू में भीगी हर गली, है सरजमीं कश्मीर की,
सिसकती हैं दरख़्त भी, गवाही दें तहरीर की।

न पूछो कैसी आग है, बहारों की ज़मीं पे अब,
हर एक शाख़ पे दिखे है, परछाईं तासीर की।

बग़ावतें न थीं वहाँ, न कोई जुर्म, न इल्तिजा,
मगर भीड़ ने छीन ली, सदा किसी ज़मीर की।

कभी जो गूंजती थी वहाँ, अज़ान, दुआ, मोहब्बतें,
वहाँ अब गूँजती है सदा, किसी शहीद तीर की।

वो माँएँ पूछती हैं अब, कहाँ है मेरा लाल कहो,
नदी भी चुप है आजकल, कहानी एक नीर की।

गीत
प्रीति पाठक 'प्रीति'

नाथ कुंवारी हूं

तू ग़ज़लों का शहज़ादा तो मैं भी राजकुमारी हूँ
तेरे शब्दों के संग ब्याही वरना नाथ कुँवारी हूँ

तुझ पर जीवन साथी मैंने अपना सब कुछ वार दिया
तेरी ख़ातिर हीं तो मैंने गीतों का शृंगार किया
तू मेरी अभिलाषा है और तुझ पर मैं बलिहारी हूँ
तेरे शब्दों के सँग ब्याही वरना नाथ कुँवारी हूँ

मेरी ग़ाज़ल ख़्यालों के तुम हो गीतों के शान्त स्वर
जैसे साँझ ढले तारों से बिछा हुआ प्यारा अम्बर
तुम गीतों के पुष्प-सुमन तो मैं उसकी फुलवारी हूँ
तेरे शब्दों के सँग ब्याही वरना सजन कुँवारी हूँ

तुझसे होती सुबह शुरू तो तुझसे ही है शाम पिया
तू है जो सँग मेरे तो दुःख भी सुख का नाम पिया
मेरे जीवन का कंचन तू तुझपर सब कुछ हारी हूँ
तेरे शब्दों के सँग ब्याही वरना प्रिय कुँवारी हूँ

पाकर तेरा साथ मैंने पाया जीवन का सार है
तुमसे से ही जीवन मे आई ख़ुशियाँ बेशुमार है
तू मेरी ख़ुशियों की चाभी मैं उसकी किलकारी हूँ
तेरे शब्दों के सँग ब्याही वरना नाथ कुँवारी हूँ।

लघुकथा
डॉ. अंजना गर्ग

पार्क में भंडारा

अनु यह बड़े-बड़े लिफाफे उठाकर कहां जा रही है?' सुनीता ने अनु के हाथ में कई लिफाफे देख कर पूछा।

' पार्क में कुछ लोगों के द्वारा रोज भंडारा लगाया जाता है। वहीं पर जा रही हूं।' '

तो इनमे प्रसाद लेकर आएगी।' सुनीता ने लिफाफो को लगभग घूरते हुए सी पूछा।'

नहीं प्रसाद का तो एक कण लेती हूं हाथ पर ही।'

' तो इनका क्या करेगी?'

' लोग खा खा कर इधर-उधर प्लेट्स डाल देते हैं। उड़-उड़ कर लोगों के घरों के दरवाजो तक आ जाती है। पार्क इतना गंदा हो जाता है कि लोग सैर नहीं कर पाते। बच्चे खेल नहीं पाते। कुत्ते प्लेट्स को चाटने आ जाते हैं। फिर तुम्हें पता है यहां तो बंदर भी अपना कोहराम मचाते हैं।'

' तो स्वीपर किस लिए है ? कर देगा सारी साफ सफाई। यह उनका ही काम है।' सुनीता ने मुंह बना कर कहा।

' वो सुबह एक बार सफाई कर जाता है। सारा दिन तो नहीं करेगा।'

' तो तू इन लिफाफों का क्या करने जा रही है?

' बस कुछ खास नहीं। भंडारा समाप्त होने पर सारी प्लेट्स उठा उठा कर इनमें भर लेती हूं। पास में ही डंपिंग ग्राउंड है वहां डाल आती हूं।' अनु ने मुस्कुराते हुए कहा।

' तेरे घर में सफाई करने मेड आती है और तू वहां सफाई करने जा रही है।'

' यही तो सुनीता हमारी सोच है कि गरीब का काम है सफाई करना। अमीर का काम है दान पुण्य करना।' अनु ने उस की ओर देखते हुए कहा।' हां तो ठीक है ना, जिसके पास पैसा नहीं वह सफाई कर दे।' सुनीता ने हाथ मटकते हुए कहा।' और हम पैसे वाले गंद डालकर, घर आकर बैठ जाए।' ' आखिर क्या कहना चाहती हो तुम अनु- ---'

' यही कि दान पुण्य से ज्यादा जरूरी है इस धरा की साफ सफाई जिसको हम सब धरती मां तो कहते हैं पर इसको हम इतना प्रदूषित कर रहे हैं कि पृथ्वी के कणों की सांस भी रुक गई।' ' पर तेरे अकेले के करने से क्या होगा? सुनीता ने अनु की तरफ लापरवाही से प्रश्न उछाला।' यूंही कारवां बनता है।' कहती हुई अनु पार्क की ओर बढ़ चली। अनु के शब्दों में पता नहीं क्या जादू था कि सुनीता भी पीछे-पीछे हो ली ।

आधुनिक युग में साहित्य की स्थिति को लेकर कवयित्री एवं लेखिका अनामिका वालिया का कहना है कि आज भी साहित्यिक लेखन प्रगति पर है और नई युवा पीढ़ी भी साहित्य क्षेत्र में बेहतर लेखन कर रही है, जिससे कहा जा सकता है कि साहित्य बेहतर स्थिति में है। हालांकि सोशल मीडिया के माध्यम से साहित्य लेखन ज्यादा बढ़ा है। इससे भी युवा पीढ़ी साहित्य के प्रति आकर्षित हो रही है।

साक्षात्कार
ओ.पी. पाल

समाज को नई दिशा देता है साहित्य : अनामिका वालिया

हिन्दी साहित्य के संवर्धन के लिए लेखक अपनी अलग-अलग विधाओं में साहित्य साधना करते आ रहे हैं। ऐसे ही साहित्यकारों में कवयित्री अनामिका वालिया भी सामाजिक सरोकारों के मुद्दों पर अपने रचना संसार को आगे बढ़ा रही हैं। देशभक्ति और समाज में महिलाओं के मुद्दे पर भी कविताओं का लेखन और मंच से समाज को सकारात्मक संदेश देते हुए उन्होंने परिवार से मिली विरासत को आगे बढ़ाने का प्रयास किया है।

शिक्षाविद्, लेखिका एवं कवयित्री अनामिका वालिया शर्मा ने अपने साहित्यिक सफर को लेकर हरिभूमि संवाददाता से बातचीत करते हुए कुछ ऐसे पहलुओं का भी जिक्र किया है, जिसमें उनका मत है कि साहित्य के बिना समाज की कल्पना करना बेमानी है, क्योंकि साहित्य समाज का दर्पण होता है। महिला साहित्यकार अनामिका वालिया का जन्म 19 मई 1989 को जिला कैथल में देशबंधु वालिया और दमयंती वालिया के घर में हुआ। उनके नाना स्वर्गीय रमेश चंद्र ने आज़ाद हिंद फौज के सेनानी के रूप में और उसके बाद सेना में भर्ती होकर देश की सेवा की। इसलिए देशभक्ति और देश प्रेम भी विरासत में मिला। जबकि मामा स्वर्गीय अमरजीत अहलूवालिया कविता लेखन किया करते थे, तो उन्हें साहित्यिक माहौल मिलने के कारण बचपन में कविता लेखन में रुचि पैदा हुई। शायद यही कारण है कि उन्होंने 13-14 वर्ष की आयु से कविता लेखन शुरू कर दिया था। पहली कविता साहित्य सभा कैथल के मंच से चौदह वर्ष की आयु में पढ़ी जहां वह अपने पिता के साथ कार्यक्रम में पहुंची थी। इतनी कम उम्र में कविता लिखने और उसके पाठन पर सभी हैरान रहे।

अनामिका की प्रारंभिक शिक्षा कैथल और उच्च शिक्षा अंबाला शहर से पूरी हुई। अंबाला के एमडीएसडी कॉलेज से स्नातक की शिक्षा ग्रहण करने के दौरान ग्रेजुएशन की परीक्षा में पूरे कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में द्वितीय व अंबाला ज़िले में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसके लिए उन्हें तत्कालीन केंद्रीय मंत्री कुमारी शैलजा के द्वारा गोल्ड मेडल से सम्मानित किया गया था। भाषण प्रतियोगिता में नेशनल यूथ फेस्टिवल में पूरे उत्तर भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए पहला स्थान प्राप्त किया, जिसके लिए हरियाणा सरकार द्वारा सम्मानित किया गया। साल 2014 से शिक्षा विभाग हरियाणा में अंग्रेजी लेक्चरर के तौर पर अपनी सेवाएं देना प्रारंभ किया। एक शिक्षिका के रूप में कार्य करते हुए उन्होंने सामाजिक मुद्दों पर आधारित विभिन्न नाटकों का लेखन एवं निर्देशन भी किया, जो राज्य स्तर पर प्रथम स्थान के लिए शिक्षा विभाग की ओर से उन्हें सम्मानित किया गया। साल 2018 में हरियाणा के यमुनानगर ज़िले में इनका विवाह हुआ। परिवार और दो जुड़वां बेटियों के प्रति अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए साहित्यिक सफर को आगे बढ़ाना आसान नहीं था, लेकिन परिवार के सहयोग और साहित्य के प्रति अपने समर्पण से अपने इस सफर को निरंतर जारी रखा। वर्तमान में अपने परिवार के साथ यमुना नगर में रहकर अध्यापन और साहित्य सेवा कर रही हैं। उनकी साहित्यिक गतिविधियों को परिवार के लोगों का प्रोत्साहन भी अहम रहा है। उन्होंने अपनी कविताओं के लेखन में देश, समाज और महिलाओं से जुड़े मुद्दों पर फोकस किया है। वहीं उन्होंने सैनिकों के शौर्य का जयगान तो कभी राजनीति पर व्यंग्यात्मक कविताओं को भी साहित्य मंच पर उतारा है। उनकी एक प्रसिद्ध रचना 'बेटियां मैदान में उतार दूं' स्कूल कॉलेज की बच्चियों को इतनी पसंद आई कि विभिन्न प्रतियोगियों में उन्होंने इसे प्रस्तुत किया और पुरस्कार प्राप्त किए। उच्च शिक्षा ग्रहण करने के बाद उन्होंने देश के विभिन्न राज्यों में होने वाले कवि सम्मेलनों में काव्यपाठ करना प्रारंभ किया और देश के अनेक प्रतिष्ठित न्यूज चैनलों पर काव्यपाठ किया है। इनका कहना है कि साहित्य जगत में एक बात आहत करने वाली है, कि साहित्यिक मंचों पर कविताओं के नाम पर चुटकले और अश्लीलता परोसी जा रही है, जिस पर अंकुश लगाना जरुरी है। साहित्य को समाज का दर्पण कहा गया है, इसलिए साहित्यकारों और लेखकों को युवा पीढ़ी को अपनी संस्कृति के प्रति प्रेरित करने वाला साहित्य सृजन करने की जरुरत है, ताकि समाज को सकारात्मक संदेश दिया जा सके। मसलन विशुद्ध साहित्य की रचना बेहद जरूरी है।

प्रकाशित पुस्तकें

महिला कवयित्री एवं शिक्षिका अनामिका वालिया ने अल्प आयु में ही कविताओं का लेखन शुरू कर दिया था और वीर रस की कविताओं के संकलन के रूप में 2014 में इनकी पहली काव्य पुस्तक 'एक और इंकलाब' पाठकों के सामने आई। उनकी इस प्रकाशित पुस्तक में देश प्रेम और महिला सशक्तिकरण से संबंधित कविताओं को समायोजित किया गया है। इसके अलावा उनकी रचनाएं विभिन्न समाचार पत्र व पत्रिकाओं में भी प्रकाशित होती रही हैं।

अनामिका वालिया

पुरस्कार व सम्मान

अनामिका वालिया को हरियाणा सरकार गोल्ड मेडल से सम्मानित कर चुकी है। साहित्य क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए उन्हें नारायणी फाउंडेशन के रूपा राजपूत सम्मान, रोटरी क्लब के ऑनरेरी मेंबर सम्मान मिला है। भारत विकास परिषद अंबाला शहर और पंचनद शोध संस्थान यमुना नगर द्वारा भी सम्मानित किया जा चुका है। उन्हें देश व विभिन्न राज्यों की साहित्यिक एवं प्रतिष्ठित संस्थाओं द्वारा काव्य मंचों से अनेक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

व्यक्तिगत परिचय

नाम : अनामिका वालिया
जन्मतिथि : 19 मई 1989
जन्म स्थान : कैथल, (हरियाणा)
शिक्षा : एम.ए. (अंग्रेजी)
संप्रति : लेक्चरार (शिक्षा विभाग हरियाणा), लेखक एवं कवियत्री

बच्चों में समाज सेवा के रंग भरता 'नाचू के रंग'

पुस्तक : नाचू के रंग
लेखक : गोविंद शर्मा
मूल्य : 150 रुपये
प्रकाशक : पंचशील प्रकाशन

पुस्तक समीक्षा
शशि कांत चौहान

वरिष्ठ साहित्यकार गोविंद शर्मा 1971 से निरंतर बाल साहित्य की रचना करते आ रहे हैं। बाल साहित्य की उनकी पचास से अधिक पुस्तकें अब तक प्रकाशित हो चुकी हैं। 'नाचू के रंग' नया उपन्यास अब पाठकों के हाथों में है।

उपन्यास के नायक बालक नाचू के माध्यम से लेखक ने बच्चों को ही नहीं बल्कि बड़ों को भी सामाजिक सरोकारों के प्रति अपने दायित्व का निर्वहन करने का संदेश दिया है। बालक नाचू जो चित्रकार है अपनी ब्रुश और रंग के जरिये ही स्वच्छता और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरुकता फैलाता है। इस उपन्यास में लेखक ने मनोरंजन के साथ-साथ सीख भी दी है। नाचू जो अपनी पढ़ाई पर पूरा फोकस रखता है और साथ ही दूसरों की मदद भी करता है।

उपन्यास में नाचू का पेंटिंग का शौक किस तरह से चोर और डाकुओं को पकड़वाने में मदद करता है यह समाज के प्रति उसके दायित्व का दिखाता है। एक बार वह विज्ञापन के कटाउट पर चौकीदार का चित्र बना देता है और उससे डरकर चोर को पकड़ लिया जाता है। नाचू जब अपने साथियों के साथ जंगल में डाकुओं को देखते हैं और उन्हें डाकुओं द्वारा छिपाया हुआ खजाना मिल जाता है तो नाचू किस तरह से सूझबूझ का परिचय देते हुए बक्से का रंग बदलकर खजाने को गांव में लाकर पुलिस के हवाले करते हैं तो यह इस बात का संदेश देती है कि इंसान को विपरीत परिस्थितयों में भी धैर्य का साथ नहीं छोड़ना चाहिए। नाचू के रंग ब्रुश की सफलता इस बात में कही जा सकती है कि उसने सफाई का संदेश देते चित्र बनाकर सवाल उठाया तो डंपिंग स्टेशन बनी जगह पर लोगों ने कूड़ा डालना बंद कर दिया। इसके साथ ही नाचू के रंग के बाल नायक के माध्यम से लेखक ने पौधरोपण का भी सफल संदेश दिया है।

बाल उपन्यास समाज की सभी छोटी बड़ी समस्याओं को उजागर करता हुआ और उनके समाधान प्रस्तुत करता नजर आता है और वह भी पूरे मनोरंजक तरीके से। उपन्यास इतना रोचक है कि पाठक एक बार में ही पूरा पढ़ जाता है।

लेखक गोविंद शर्मा के उपन्यास की भाषा सहज और सरल है। शीर्षक को साकार करते उपन्यास का कवर भी सुंदर बन पड़ा है। कुल मिलाकर नाचू के रंग उपन्यास सामाजिक सरोकारों के रंगों से सराबोर है। लेखक इसके लिए साधुवाद के पात्र हैं।

खबर संक्षेप

रंगदारी मांगने की घटना में चौथा आरोपित गिरफ्तार

गोहाना। थाना शहर गोहाना की पुलिस टीम ने स्वर्ण कारोबारी से रंगदारी मांगने की घटना मे संलिप्त चौथे आरोपित गांव कहैल्पा के अमन को गिरफ्तार किया। न्यायालय के आदेश पर उसे एक दिन के पुलिस रिमांड पर लिया।

गोहाना के कारोबारी ने 23 नवंबर 2024 को पुलिस को शिकायत दी थी कि उसके मोबाइल पर वाट्सएप पर काल की गई थी। उसके बाद पर्ची भेजकर धमकी दी गई कि दो करोड़ रुपये तैयार कर ले, नहीं तो कोई दुकान चलाने वाला नहीं रहेगा। उसके बाद कहा गया कि एक सप्ताह में रुपये नहीं देगा तो उसे व उसके परिवार को जान से मार दिया जाएगा।

महिला का पर्स छीनने वाला आरोपित गिरफ्तार

सोनीपत। सेक्टर-27 शहर थाना सोनीपत पुलिस ने महिला का पर्स छीनने की वारदात में शामिल आरोपित को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित दीपक उर्फ धम्मू निवासी सिक्का कॉलोनी सोनीपत का है। पुलिस ने आरोपित को अदालत में पेश किया। जहां से उसे न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया।

एक महिला ने सात जून को पुलिस से शिकायत देकर बताया था कि वह स्कूल से घर लौट रही थी। वह आदर्श नगर टर्निंग प्वाइंट के पास पहुंची। उसी दौरान दो युवक दो पहिया वाहन पर आए। उसका पर्स छीनकर फरार हो गए। पर्स में मोबाइल फोन व रुपये थे।

वाहन चोरी की वारदात में शामिल दो आरोपित काबू

सोनीपत। सेक्टर-27 शहर थाना सोनीपत पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी करने की वारदात में शामिल दो आरोपितो को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपित साहिल व फरमान निवासी देवड़ू के है। पुलिस ने आरोपितो को अदालत में पेश किया। जहां से दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है। गांव फाजिलपुर निवासी दीपक ने पांच अप्रैल को पुलिस से शिकायत देकर बताया कि वह यूनिक गार्ड में काम करने के लिए आया था। अपने दोपहिया वाहन को गार्डन के बाहर खड़ा कर दिया। रात करीब पौने तीन बजे देखा तो बाइक गायब मिली। अपने स्तर पर बाइक की तलाश की, लेकिन कोई सुराग हाथ नहीं लग पाया। मामले को लेकर पुलिस को अवगत करवाया।

घर के बाहर से कार और पार्क के बाहर बाइक चोरी

सोनीपत। सेक्टर-27 शहर थाना क्षेत्र व कुंडली थाना क्षेत्र से अलग-अलग स्थानों से कार व दोपहिया वाहन के चोरी होने के आरोप का मामला सामने आया है। पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है। कुंडली स्थित किंग्सबरी टीडीआई की रहने वाली नेहा ने बताया कि उसकी कार चोरी हो गई। वारदात सीसीटीवी में हुई कैद। महावीर कॉलोनी से कमल ने बताया कि उसकी स्कूटी चोरी हो गई । शिकायत पर थाना सेक्टर-27 ने मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आसपास लगे सीसीटीवी की जांच की जाएगी।

प्री सुब्रोतो कप प्रतियोगिता 14 और 15 को होगी

सोनीपत। जिला फुटबाल संघ सोनीपत द्वारा जिला स्तरीय प्री सुब्रोतो कप फुटबाल प्रतियोगिता का आयोजन 14 से 15 जून तक एसएम हिंदू स्कूल फुटबाल ग्राउंड में होगा। प्रतियोगिता में 1 जनवरी 2011 या उसके बाद जन्म लेने वाला खिलाड़ी ही पात्र होगा एवं पूरी टीम एक ही स्कूल की होनी चाहिये। संघ के अध्यक्ष कुलदीप ने बताया की विजेता टीम 27 से 30 जून तक फतेहाबाद में राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में हिस्सा लेगी। महासचिव ने बताया कि प्रतियोगिता में खिलाड़ी का आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र, विड्राल फार्म तथा पिछले साल का रिपोर्ट काड प्रतियोगिता से पहले प्रस्तुत एवं वेरिफाई कराना जरूरी। अनिवार्य है।

ब्रह्मशक्ति अस्पताल में रक्तदान शिविर 14 को

बहादुरगढ़। विश्व रक्तदाता दिवस के अवसर पर शनिवार 14 जून को शहर के ब्रह्मशक्ति संजीवनी अस्पताल में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया।

छात्रों में आत्मबोध, करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व को करें विकसित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सब कुछ हो रहा है, इस तरक्की के जमाने में क्या है कि आदमी इंसान नहीं बनता, इन्हीं आत्ममंथन से भरी पंक्तियों के साथ प्रो. रणदीप राणा डीन स्टूडेंट वेलफेयर एमडीयू ने रविवार को शिक्षकों को शिक्षा और समाज की बदलती भूमिका पर विचार करने के लिए प्रेरित किया। मालवीय मिशन शिक्षक प्रशिक्षण केंद्र द्वारा संचालित रिफ्रेशर पाठ्यक्रम के चौथे दिन प्रो. राणा ने कहा कि आज जब हर चीज़ यांत्रिक होती जा रही है और व्यक्तित्व की पहचान भीड़ में कहीं खोती जा रही है, तब केवल शिक्षा ही ऐसा माध्यम है जो मानवीयता और समाज को फिर से जोड़ सकती है। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया कि वे केवल विषय-वस्तु के ज्ञाता न बनें, बल्कि जीवन-मूल्यों, नैतिक नेतृत्व और व्यावहारिक विवेक के संवाहक भी बनें। उन्होंने कहा कि तकनीक और एआई टूल्स भले ही हमारे कार्यों को सरल बना रहे हों, पर आदमी को इंसान बनाना शिक्षक की ही जिम्मेदारी है। शिक्षक का कार्य केवल ज्ञान के हस्तांतरण तक सीमित नहीं है, बल्कि उनको चाहिए की वो छात्रों के भीतर आत्मबोध, करुणा और सामाजिक उत्तरदायित्व को विकसित करे। प्रो. राणा ने विशेष रूप से इस बात पर बल दिया कि अब समय आ गया है जब हमें 'धर्म-केंद्रित' दृष्टिकोण से निकलकर 'कर्म-केंद्रित' सोच को अपनाना होगा, जहां धर्म केवल आस्था नहीं, बल्कि कर्तव्यों के निर्वहन और सामाजिक जिम्मेदारी का नाम हो। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि यह नीति शुरू में जितनी आकर्षक नहीं लगी थी, अब जब इसे पढ़ा, समझा और व्यावहारिक रूप में अपनाया गया, तब इसके वास्तविक उद्देश्य और गहराई का बोध हुआ। उन्होंने कहा कि यह नीति न केवल भारतीय ज्ञान परंपरा का पुनरुद्धार करती है, बल्कि शिक्षकों और छात्रों को आत्मनिरीक्षण, आत्म सुझाव और सामाजिक परिवर्तन की ओर भी प्रेरित करती है।

इस अवसर पर प्रो. मुनीष गर्ग, निदेशक यूजीसी-एमएमटीटीसी एमडीयू, डॉ. माधुरी हुड्डा, डॉ. शेली जैन, गुरु नानक गर्ल्स कॉलेज, यमुनानगर एवं डॉ. नवजोत कौर गणित विभाग पंजाब विश्वविद्यालय चंडीगढ़ आदि मौजूद रहे।

शिक्षकों को छात्रों में विवेक और चिंतनशीलता का विकास करना चाहिए

प्रो. राणा ने प्लेटो और अरस्तू की विचारधाराओं का उल्लेख करते हुए कहा कि शिक्षकों को अपनी स्वतंत्र दृष्टि और बहुआयामी व्याख्या क्षमता के साथ छात्रों में विवेक और चिंतनशीलता का विकास करना चाहिए। उन्होंने कहा कि हमें पश्चिम को मूल्यांकन का एकमात्र मानदंड न मानते हुए यह देखना चाहिए कि वहां क्या अच्छा है, जिसे हम भारतीय सांस्कृतिक संदर्भ में संशोधित कर अपना सकते हैं। उन्होंने एमएन रॉय, डॉ. भीमराव अम्बेडकर और भारतीय दार्शनिक परंपराओं की ओर लौटने का आह्वान किया। साथ ही गीता, कबीर, और गुरु नानक देव की शिक्षाओं को सामाजिक रूपांतरण के लिए आज भी प्रासंगिक बताया। उन्होंने 'धर्म' को 'कर्तव्य' के रूप में परिभाषित करते हुए कहा कि यह धार्मिक सीमाओं से ऊपर उठकर कर्तव्यनिष्ठा, मानवता और समरसता को पोषित करता है।

आत्म प्रेरणा तथा नवाचार के लिए नवीन कौशलों का ज्ञान आवश्यक : वीरेंद्र

एफएलएन के माध्यम से नए आयामों को छूते शिक्षक एवं नन्हे शिक्षार्थी : दिलजीत

- बेहतर शिक्षण से ही शिक्षक की छवि बेहतर : बिजेंद्र हुड्डा
- राजकीय मॉडल संस्कृति स्कूल कलानौर में एफएलएन कार्यशाला का हुआ समापन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

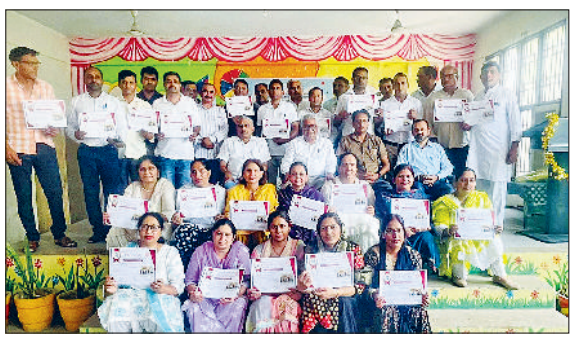

रोहतक। कार्यशाला में प्रतिभाग करने वाले शिक्षक-शिक्षिकाएं।

खंड शिक्षा अधिकारी सुनीता चहल के निर्देशन एवं प्राचार्य सुरेंद्र लाकड़ा के नेतृत्व में चल रही पांच दिवसीय एफएलएन कार्यशाला रविवार को समाप्त हो गई। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय कलानौर में चलाया जा रहा था। इस मौके पर मुख्य अतिथि जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी दिलजीत सिंह तथा डाइट प्रिंसिपल वीरेंद्र मलिक रहे। विशिष्ट अतिथि परियोजना समन्वयक बिजेंद्र हुड्डा, डाइट प्रवक्ता विकास वशिष्ठ और एपीसी सुरेंद्र दहिया रहे। पांच दिवसीय कार्यशाला के दौरान कलानौर ब्लॉक के 123 शिक्षकों को एफएलएन के विभिन्न पहलुओं पर प्रशिक्षित किया गया, जिससे वे नवाचारों का ज्ञान प्राप्त कर विद्यार्थियों को बेहतर तरीके से पढ़ा सकेंगे। दिलजीत सिंह ने कहा कि एफएलएन के माध्यम से शिक्षक व विद्यार्थी नए आयामों को छू रहे हैं। समापन समारोह में शिक्षकों को संबोधित करते हुए विशिष्ट अतिथि डीपीसी बिजेंद्र हुड्डा ने कहा कि एफएलएन के माध्यम से निश्चित ही छात्रों की सीखने की क्षमता में सुधार किया गया है एवं और अधिक सुधार किया जा सकता है। शिक्षक की बेहतर छवि का निर्माण उनके बेहतर शिक्षण से ही संभव है। मुख्य अतिथि डाइट प्राचार्य वीरेंद्र मलिक एवं जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी दिलजीत सिंह ने कार्यक्रम में उपस्थित सभी शिक्षकों और प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र वितरित किए गए। जिला निपुण समन्वयक रूपांशी हुड्डा ने बताया कि निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत जिले में पांच दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित किया जा रहा है। इस प्रशिक्षण में रोहतक जिले के 870 प्राथमिक अध्यापक तथा अन्य जिलों से आए 718 अध्यापक भाग ले रहे हैं। खंड कलानौर, सांपला एवं लाखनमाजरा में अब तक कुल 331 अध्यापकों का प्रशिक्षण पूर्ण किया जा चुका है। आगामी चरण में 9 जून से खंड महम एवं रोहतक में लगभग 600 अध्यापकों का प्रशिक्षण आरंभ होगा। रूपांशी हुड्डा ने बताया कि यह प्रशिक्षण शिक्षकों की शैक्षिक गुणवत्ता को निखारने एवं बच्चों में बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक कौशल को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास है।

कार्यशालाएं शिक्षकों के लिए बहुत उपयोगी

डाइट प्रिंसिपल वीरेंद्र मलिक ने कहा कि इस तरह की कार्यशालाएं शिक्षकों के लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होती हैं। जिला शिक्षा अधिकारी दिलजीत सिंह ने बताया कि गत 2-3 वर्षों में किस प्रकार एफएलएन की मुहिम ने शिक्षा शिक्षण की पद्धतियों में सुधार किया है। इस कार्यशाला के दौरान बीआरपी सुदेश, हेमलता, सरिता, रंजना, एबीआरसी गौरव, योगेश, प्रकृति, अनीता ने मास्टर ट्रेनर की भूमिका निभाई जबकि अरविंद, विकास एफएलएन कॉर्डिनेटर रहे। कार्यशाला के आयोजन में कलानौर मॉडल संस्कृति स्कूल प्राचार्य सुरेंद्र लाकड़ा और उनकी टीम का महत्वपूर्ण योगदान रहा। विद्यालय प्रवक्ता राकेश कुमार, संजीव अटकान तथा अशोक कुमार ने कार्यशाला के दौरान सभी व्यवस्थाएं संभाली।

निपुण हरियाणा मिशन के तहत शिक्षकों को दिया प्रशिक्षण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सांपला

निपुण हरियाणा मिशन के अंतर्गत खंड सापला के राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय खरावड़ में सभी प्राथमिक अध्यापकों का बुनियादी शिक्षा और संख्याज्ञान का पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का समापन हो गया। जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी दिलजीत सिंह, डाइट प्राचार्य वीरेंद्र मलिक और खंड शिक्षा अधिकारी सुमन हुड्डा के द्वारा सभी 83 प्रशिक्षण लेने वाले प्राइमरी शिक्षकों को प्रमाण पत्र दिए गए। किया गया। खंड सापला में सभी प्राथमिक अध्यापकों का प्रशिक्षण कार्य 2 चरण में पूरा किया जाएगा। जो सोमवार से शुरू हो रहा है। मौलिक शिक्षा अधिकारी दिलजीत सिंह ने सभी प्राथमिक अध्यापकों से ट्रेनिंग का फीडबैक लिया तथा नई शिक्षा नीति के तहत हुए शैक्षणिक वर्ष 2025 - 26 के पाठ्य पुस्तकों में हुए बदलाव और उनके उपयोग की रणनीतियों के बारे में विस्तृत चर्चा की गई। डायट प्राचार्य वीरेंद्र मलिक ने सभी प्रतिभागियों को कक्षा कक्ष में गणित से संबंधित सॉस किट का प्रयोग करने पर प्रेरित किया, जिससे बच्चों का संख्यात्मक विकास करने में मदद मिलेगी। खंड शिक्षा अधिकारी सुमन हुड्डा ने सभी प्रतिभागियों को प्रशिक्षण में कराए गए नए शैक्षणिक वर्ष की वर्क बुक, और शिक्षक संदर्शिका के अनुरूप कक्षा कक्ष में कार्य करने के लिए सभी प्रतिभागियों को प्रेरित किया। ,जिससे सभी अध्यापकों में बुनियादी शिक्षा और संख्यात्मक ज्ञान के शैक्षणिक ढांचे की समझ विकसित होगी।

सूरज कॉलेज बीसीए की छात्रा रिया शर्मा ने विश्वविद्यालय में पाया तीसरा स्थान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| महेंद्रगढ़

रिया शर्मा

मनीषा

इंदिरा गांधी यूनिवर्सिटी मीरपुर रेवाड़ी द्वारा फाइनल सेमेस्टर के परिणाम में सूरज कॉलेज के विद्यार्थियों का प्रदर्शन उत्कृष्ट रहा। कॉलेज निदेशक संदीप प्रसाद ने भी परिणाम पर खुशी जाहिर करते हुए विद्यार्थियों अभिभावकों व शिक्षकों को बधाई दी और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने बताया कि बीसीए फाइनल सेमेस्टर की छात्रा रिया शर्मा पुत्री नरेंद्र कुमार ने 81.60 प्रतिशत अंक लेकर पूरे विश्वविद्यालय में तीसरा स्थान प्राप्त करते हुए कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में छात्रा अंशु पुत्री सत्यवान ने 80.22 प्रतिशत अंक लेकर कॉलेज में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

इसी कोर्स के छात्र आशीष पुत्र कुलदीप सिंह ने 74.00 प्रतिशत अंक लेकर कॉलेज में द्वितीय स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में छात्र विवेक कुमार पुत्र दिनेश कुमार ने 68.60 प्रतिशत, हर्ष पुत्र नरेश ने 68.00 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। वहीं बीएससी आनर्स फिजिक्स फाइनल सेमेस्टर की छात्रा मनीषा यादव पुत्री सुरेंद्र सिंह ने 88.00 प्रतिशत अंक लेकर पूरे विश्वविद्यालय में नौवां स्थान प्राप्त करते हुए कॉलेज में प्रथम स्थान प्राप्त किया। इसी क्रम में छात्रा अंशु पुत्री सत्यवान ने 80.22 प्रतिशत अंक लेकर कॉलेज में द्वितीय स्थान प्राप्त किया।

कॉलेज प्राचार्य डा. सुधाकर गुप्ता ने बताया कि कॉलेज का श्रेष्ठ परिणाम विद्यार्थियों के कठोर परिश्रम व शिक्षकों के मार्गदर्शन का परिणाम है।

पिस्तौल के बल पर दो युवकों के अपहरण का प्रयास, चाकू से घायल करने का आरोप

- जान बचाने के लिए मंदिर में घुसे घायल, ग्रामीणों ने युवकों को हमलावरों से बचाया
- पीड़ित के बयान पर आरोपितो के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

सदर थाना क्षेत्र के गांव भठगांव में युवकों ने पिस्तौल और चाकू के बल पर दो दोस्तों का अपहरण करने के प्रयास का मामला सामने आया है। बाइकों पर आए हमलावरों ने युवकों को पिस्तौल व चाकू की नोक पर अपहरण करने का प्रयास किया। किसी तरह युवकों ने मंदिर में घुसकर अपनी जान बचाई। ग्रामीणों ने युवकों को हमलावरों से बचाया। पीड़ितों ने मामले की शिकायत पुलिस को दी।

ये था मामला

गांव भठगांव निवासी सचिन ने बताया कि वह अपने दोस्त तुषार के साथ खाटू श्याम मंदिर में दर्शन करने गया था। शुक्रवार की दोपहर करीब दो बजे जब वे बाइक पर गांव की तरफ जा रहे थे, तभी हर्ष अपने साथी मोहित के साथ सामने से आया। उनकी बाइक को टक्कर मार दी। दोनों इससे नीचे गिर गए। इसी दौरान दो और बाइक वहां पर आ गईं। जिन पर हर्ष के साथी मोहित, प्रवीन और दो अन्य लोग सवार थे। सभी ने दोनों के साथ मारपीट शुरू कर दी। प्रवीन ने सचिन के हाथ में चाकू मार दिया। जब दोनों भागने लगे तो आरोपितों ने रास्ता रोक लिया। मोहित ने लाठी से हमला किया और फिर पिस्टल तान कर सचिन को बाइक पर बैठा लिया। सचिन ने बताया कि हर्ष बाइक चला रहा था और मोहित पीछे बैठकर उसकी कमर में पिस्तौल लगाए हुए था। तुषार पर पिस्टल तान कर बाइक चलवाई। उससे नकलोई की ओर चलने के लिए कहा। तुषार ने मौका देखकर बाइक को खाटू श्याम मंदिर की तरफ मोड़ दिया और वहां शोर मचा दिया। हर्ष भी सचिन को मंदिर के अंदर ले गया। जहां मौजूद लोगों की मदद से दोनों बच निकले। आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए बाइक समेत फरार हो गए। मामले की सूचना पुलिस को भी दी गई। दोनों को घायल अवस्था में अस्पताल ले जाया गया। जहां से उनको खानपुर मेडिकल रेफर कर दिया गया। सचिन को एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। सचिन को चार और तुषार को तीन जगह चोट लगी है। मामले को लेकर पुलिस को शिकायत दी। पुलिस ने इस संबंध में विभिन्न धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज कर लिया है।

सड़क हादसों में दो की मौत, चार घायल

- हरिद्वार से वापस घर लौटते समय हुआ हादसा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सोनीपत

राष्ट्रीय राजमार्ग संख्या-334 बी पर तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर पलट गई। हादसे में कार में सवार पांच युवक घायल हो गए। सभी युवक हरिद्वार से वापस घर लौट रहे थे। राहगीरों ने घायलों को उपचार के लिए नागरिक अस्पताल में भिजवाया। जहां चिकित्सक ने एक युवक को मृत घोषित कर दिया। जबकि चार युवकों को प्राथमिक उपचार के बाद रोहतक पीजीआई रेफर कर दिया। सूचना के बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम करवाकर परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

गांव बोडिया कमालपुर रेवाड़ी निवासी राजकुमार ने बताया कि उसका बेटा साहिल अपने चार साथियों गांव के ही मेनपाल, सन्नी व शिवम तथा गांव चांदावास के हितेश के साथ शनिवार को कार में सवार होकर हरिद्वार जाने के लिए निकले थे। उनके बड़े बेटे निशांत ने साहिल के मोबाइल पर कॉल की तो पुलिसकर्मी ने कॉल उठाई। उन्होंने बताया कि कार सवार युवक गढ़ मिरकपुर के पास हादसे का शिकार हो गए हैं। इनमें साहिल की मौत हो गई और चार अन्य को गंभीर हालत में पहले नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया था, जहां से उन्हें रोहतक रेफर किया गया। जिस पर उन्होंने गांव के सन्नी के पास कॉल किया। घायल सन्नी को परिजन रेवाड़ी लेकर आ रहे थे।

हादसे में कंपनी कर्मचारी की मौत

कुंडली औद्योगिक क्षेत्र में शनिवार रात वाहन की टक्कर से युवक की मौत हो गई। उत्तर प्रदेश के जिला बागपत के गांव मवीकलां निवासी संजय ने कुंडली थाना पुलिस को बताया कि उसका भाई संजीव कुंडली की कंपनी में काम करता था। वह रात को कंपनी से ड्यूटी खत्म कर घर आ रहा था।

गन्नौर में सीएसडी कैंटीन खोलने की मांग

गन्नौर। भूतपूर्व सैनिक संगठन गन्नौर की मासिक बैठक रविवार को नायब सूबेदार ओमप्रकाश मलिक की अध्यक्षता में केडी नगर स्थित कार्यालय में संपन्न हुई। सभा का संचालन कैप्टन सतबीर सिंह दहिया ने किया । बैठक में ब्रिगेडियर यशपाल सिंह डायरेक्टर पार्क अस्पताल पानीपत ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की । बैठक में नायब सूबेदार ओमप्रकाश मलिक ने बताया कि 4 जून को संगठन के पदाधिकारी ने गन्नौर में सीएसडी कैंटीन खोलने की चंडीगढ़ में वेटरनरी सेल के इंचार्ज ब्रिगेडियर रोहित से मुलाकात कर कैंटीन खोलने की मांग की। नायब सूबेदार ओमप्रकाश मलिक ने कहा कि हमारा संगठन पिछले 8 वर्षों से गन्नौर में सीएसडी कैंटीन खोलने की मांग कर रहा है।

विद्यार्थियों को पंजाबी एवं फ्रेंच का ज्ञान दिया

झज्जर। राजकीय मॉडल संस्कृति वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय ढाकला में आयोजित भारतीय भाषा ग्रीष्मकालीन कैंप के समापन पर प्राचार्य वेद प्रकाश ने मुख्य रूप से शिरकत की। उन्होंने बताया कि इस कैंप में विद्यार्थियों को अन्य राज्यों की भाषाएं सीखने का मौका मिला। इससे राष्ट्रीय एकता को बढ़ावा मिलता है। कैंप में विद्यार्थियों को पंजाबी तथा फ्रेंच भाषाएं सिखाई गईं।

आर्थिक सहायता का प्रावधान पीड़ितों के लिए सबसे महत्वपूर्ण कदम

एससी-एसटी के पीड़ित लोगों को मिल रही आर्थिक सहायता : डीसी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति (अत्याचार निवारण) अधिनियम, 1989 के तहत आर्थिक सहायता का प्रावधान अत्याचार से पीड़ित व्यक्तियों को राहत और पुनर्वास प्रदान करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। अधिनियम यह सुनिश्चित करता है कि अत्याचार से पीड़ित व्यक्तियों को आर्थिक सहायता प्राप्त हो सके और वे अपनी जिंदगी को सामान्य रूप से जी सकें।उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार द्वारा अधिनियम के अंतर्गत प्रभावित लोगों को राहत देने का कार्य सुनिश्चित किया जा रहा है।

इस अधिनियम के तहत पीड़ित व्यक्तियों को उनके भरण-पोषण के लिए मासिक भत्ता भी दिया जा सकता है

रोहतक। उपायुक्त धर्मेंद्र सिंह।

अधिनियम के तहत पीड़ितों को मिल रही सहायता

अधिनियम के तहत, अत्याचार से पीड़ित व्यक्तियों को विभिन्न प्रकार की आर्थिक सहायता दी जाती है, जो अपराध की प्रकृति और गंभीरता के आधार पर तय होती है। आर्थिक सहायता योजना के अंतर्गत अलग-अलग प्रावधान किए गए हैं। प्रावधान के अनुसार अत्याचार से पीड़ित व्यक्तियों को एक निश्चित राशि के रूप में राहत दी जाती है, जो अपराध की गंभीरता पर निर्भर करती है। अत्याचार से पीड़ित व्यक्तियों को चिकित्सा खर्च के लिए भी वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है। अत्याचार से पीड़ित व्यक्तियों को पुनर्वास के लिए भी आर्थिक सहायता दी जाती है, जिसमें रोजगार, शिक्षा और अन्य सामाजिक सहायता शामिल हो सकती हैं।

पीड़ितों को लाभ दिलाने में ये मामले किए गए हैं शामिल

इन मामलों में जाति के नाम पर प्रताडना, गाली गलौज, छेड़छाड़ व मारपीट से संबंधित आदि मामले शामिल थे। इन 15 मामलों में 10 लाख 70 हजार रुपए की राशि जारी की गई। एफआईआर दर्ज होने पर आर्थिक सहायता की 25 प्रतिशत राशि पीड़ित को प्रदान की जाती है व 50 प्रतिशत राशि चालान होने के उपरांत और शेष 25 प्रतिशत राशि न्यायालय में दोष सिद्ध होने के उपरांत प्रदान की जाती है।

8 लाख तक की मदद

अधिनियम के तहत अनुसूचित जाति के उन सदस्यों को 85 हजार से लेकर 8,25,000 रुपये तक की वित्तीय सहायता प्रदान की जाती है, जो गैर-अनुसूचित जाति के व्यक्तियों द्वारा विभिन्न कृत्यों जैसे कि संपत्ति की क्षति और हानि, गंभीर चोट, अस्थायी स्थायी अक्षमता, हत्या, मृत्यु, बलात्कार, आदि के लिए अत्याचार के शिकार होते हैं।

मानसरोवर हॉस्पिटल
REQUIRES
BAMS 6
PRO 5
RMO 5
नजदीक पी.एन.बी. बैंक, विकास नगर के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Tel. :- +91-1262-253500 Mobile: 9254302848, 9053005599

खबर संक्षेप

पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया

रोहतक। पूर्व सीनियर डिप्टी मेयर राजकमल उर्फ राजू सहगल ने बताया की भाजपा 5 जून से 15 अगस्त तक पर्यावरण दिवस मना रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर राष्ट्रव्यापी अभियान एक पेड़ मां के नाम 2.0 के अंतर्गत राधे रोध पार्क में पौधरोपण किया। राजू सहगल ने बताया बताया कि यह अभियान रोहतक को हरा-भरा, प्रदूषण मुक्त और एक नई वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा मे एक महत्वपूर्ण कदम है। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष रणबीर सिंह ढाका, पूर्व मेयर मनमोहन गोयल, राजेंद्र प्रसाद, रॉकी सहगल, प्रिया कपूर ,रोहित शर्मा ,विकास शर्मा, धर्मेंद्र सैनी ,मनीष सैनी, राहुल उप्पल, राजेश मलिक, रिशु सोनी , नीरज खुराना, ललित मग्गू, धर्मबीर, फूल सिंह मोर मौजूद रहे।

शिविर में 86 लोगों के स्वास्थ्य की जांच हुई

रोहतक। वैद्य केसर दास सेवा समिति की तरफ से आर्युवेदिक हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन सावन बैंकट हाल के सामने वैद्य केसर दास लैब में किया गया। समिति के संचालक राजेश सिंधवानी ने बताया कि कैंप में 86 लोगों का इलाज आर्युवैदिक विधि से किया गया। समिति की ओर से आयुर्वेदिक दवाइयां मुफ्त दी गई। मरीजों में अधिकतर पथरी, खांसी, शुगर, जुकाम, बुखार, गला, गदूद, बवासीर आदि के मरीज थे। समिति द्वारा 22 जून को लेबर चौंक पर सामान्य एवं आंखों की जांच फ्री कैंप लगाया जाएगा। शुगर, एचबी, कॉलेस्ट्रॉल टेस्ट फ्री किए जाएंगे एवं आर्युवेदिक दवाइयां फ्री दी जाएंगी। इस अवसर पर विनोद जुनेजा, संजीव सचदेवा, जय सिंधवानी, आकाश सिंधवानी, कुणाल जुनेजा आदि मौजूद रहे।

पर्यावरण संरक्षण सबकी जिम्मेदारी : महेंद्र अरोड़ा

रोहतक। रामगली झज्जर रोड़ पर रविवार को प्रिन्टर्स एसोशिएशन की बैठक हुई। जिसमें मुख्य अतिथि प्रधान महेन्द्र अरोड़ा, अध्यक्षता चंद्रशेखर जिंदल एवं संयोजन उपप्रधान जेपी गौड़ ने किया। आयोजन सचिव योगेश अरोड़ा व कोषाध्यक्ष विजय तनेजा रहे। उन्होंने बताया कि कोई भी अनजान व्यक्ति प्रिन्टर्स सॉफवेयर के माध्यम किसी प्रिन्टर्स को तंग करता है, तो प्रधान को सुचित करें। झज्जर रोड़ पर स्वच्छता के लिए नगर निगम के कर्मचारियों को सहयोग करके स्वच्छता के कार्य को बढ़ाया जाए ताकि शहर को साफ रखने में एसोसिएशन की भी भागीदारी हो। एसोसिएशन के सदस्यों को सदस्यता प्रमाण पत्र जल्द प्रेषित की जाएं।

स्वामी इंद्रवेश विद्यापीठ टिटोली में राष्ट्रीय कन्या चरित्र निर्माण एवं योग शिविर

बालिकाओं को दिया वैदिक संस्कारों का संदेश

ये बोले वक्ता

- वेदों को समझे बिना संपूर्ण राष्ट्रनिर्माण की कल्पना अधूरी है : स्वामी आर्यवेश
- बेटियां अपनी संस्कृति से जुड़ जाएं, तो समाज को एक नई दिशा मिल सकती है : गोयल
- प्रतिस्पर्धा एवं तकनीकी जीवनशैली के कारण किशोरों में मानसिक तनाव बढ़ रहा : डॉ. पुरुषोत्तम

रोहतक। शिविर में योग करतीं छात्रा।

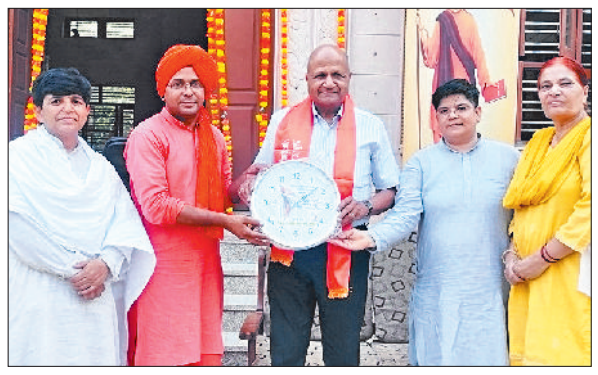

रोहतक। पूर्व मेयर मनमोहन गोयल को स्मृति चिन्ह देते स्वामी आदित्यवेश।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

स्वामी इंद्रवेश विद्यापीठ टिटोली में चल रहे राष्ट्रीय कन्या चरित्र निर्माण एवं योग शिविर के दौरान रविवार को वक्ताओं ने बालिकाओं को वैदिक जीवनशैली, मानसिक स्वास्थ्य एवं सांस्कृतिक मूल्यों के प्रति जागरूक किया। सार्वदेशिक आर्य प्रतिनिधि सभा नई दिल्ली के प्रधान स्वामी आर्यवेश ने शिविरार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आर्य समाज की विचारधारा, पंच महायज्ञ, वेदों, उपनिषदों तथा ऋषि दयानन्द के जीवन और कार्यों को समझे बिना संपूर्ण राष्ट्रनिर्माण की कल्पना अधूरी है। उन्होंने विशेष रूप से मातृशक्ति को संबोधित करते हुए कहा कि "यदि मां संस्कारित होगी तो ही उसकी संतान राष्ट्रभक्त, ईश्वरभक्त, समाजसेवी एवं संस्कृति प्रेमी बन सकती है। माताओं का आचरण ही आने वाली पीढ़ी का चरित्र गढ़ता है।

कार्यक्रम में पीजीआई के मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. पुरुषोत्तम ने बच्चों को तनाव मुक्त रहने के व्यवहारिक उपाय बताए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में बढ़ती प्रतिस्पर्धा एवं तकनीकी जीवनशैली के कारण किशोरों में मानसिक दबाव बढ़ रहा है, ऐसे में योग, ध्यान, नियमित संवाद और वैदिक अनुशासन उन्हें संतुलित जीवन जीने में सहायक सिद्ध हो सकते हैं। शिविर में सोमवार को एक विशेष सत्र का आयोजन किया जाएगा, जिसमें रोहतक के प्रसिद्ध नाड़ी वैद्य सत्यप्रकाश आर्य, जो नाड़ी वैध कायकल्प संस्थान के संचालक हैं, शिविरार्थियों को आयुर्वेद की मूलभूत जानकारी प्रदान करेंगे। वे बच्चों को आयुर्वेद के जीवनदर्शन, नाड़ी परीक्षण की विधि, प्राकृतिक आहार-विहार, दिनचर्या एवं ऋतुचर्या जैसे विषयों से परिचित कराएंगे। शिविर का समापन 12 जून को होगा।

कन्या अपने चरित्र की रक्षा करें : पूनम आर्या

इस कार्यक्रम का संयोजन बेटी बचाओ अभियान की राष्ट्रीय संयोजक बहन पूनम आर्या ने किया। उन्होंने बालिकाओं को आत्मविश्वास, आत्मसंयम और आत्मगौरव का संदेश देते हुए कहा कि "जो कन्या अपने चरित्र की रक्षा करती है, वही भविष्य में राष्ट्र की रक्षा करने वाली मां बनती है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पूर्व मेयर मनमोहन गोयल ने भी बालिकाओं को संबोधित करते हुए कहा कि "आज की बेटियों को केवल आधुनिक शिक्षा ही नहीं, बल्कि अपनी प्राचीन संस्कृति से जुड़कर जीने का भी संकल्प लेना होगा। वैदिक परंपरा में नारी को 'श्रद्धा' और 'प्रेरणा' का स्वरूप माना गया है। यदि बेटियां अपनी संस्कृति से जुड़ जाएं, तो समाज को एक नई दिशा मिल सकती है। एकता आर्या, अंजू आर्या, अंकिता आर्या, स्नेहा आर्या, पूजा आर्या, अंजू आर्या, सोनिया आर्या, काफ्री आर्या आदि की टीम बहनो को सर्वांगसुंदर व्यायाम, स्तूप निर्माण, लाठी आदि का प्रशिक्षण दे रही हैं। बहन पूनम आर्या यज्ञ एवं साधना का प्रशिक्षण दे रही हैं। पूर्व डीएसपी अर्जुन सिंह, प्रदीप कुमार, जगफुल ढिल्लों, अजयपाल आर्य आदि का विशेष सहयोग रहा।

सेल्फी विद डॉटर डे पर एमडीयू में कार्यक्रम आज

- कई राज्यों से आए लोग हिस्सा लेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सेल्फी विद डॉटर के अवसर पर 9 जून को महर्षि दयानंद विश्वविद्यालय में राज्य स्तरीय समारोह का आयोजन किया जाएगा। डीन, स्टूडेंट वेलफेयर प्रो. रणदीप राणा ने बताया कि एमडीयू के यूनिवर्सिटी आउटरीच प्रोग्राम, डीन स्टूडेंट वेलफेयर ऑफिस तथा वूमेन स्टडी सेंटर द्वारा आयोजित किए जाने वाले इस कार्यक्रम में भारतीय पुनर्वास परिषद की चेयरपर्सन डॉ.शरणजीत कौर बतौर मुख्य अतिथि भाग लेंगी, जबकि एमडीयू कुलपति प्रो. राजबीर सिंह समारोह की अध्यक्षता करेंगे। लंदन से यहां आई प्रवासी भारतीय प्रीती बंसल इस समारोह की विशिष्ट अतिथि होंगी। इसके अलावा कार्यक्रम में कई वशिष्ट अतिथि भी भाग लेंगे। यह कार्यक्रम राधाकृष्णन सभागार में सुबह 10 बजे से प्रारंभ होगा। सेल्फी विद डॉटर फाउंडेशन के संस्थापक सुनील जागलान ने बताया कि 9 जून 2015 को जींद के गांव बीबीपुर से शुरू हुआ अभियान आज अंतरराष्ट्रीय स्तर तक फैल चुका है। हर साल की तरह इस साल भी सेल्फी विद डॉटर डे के पर रोहतक में कार्यक्रम किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम में महाराष्ट्र, जम्मू-कश्मीर, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल सहित कई राज्यों की लड़कियां भाग लेंगी। हर साल की तरह इस साल भी तीन बेस्ट सेल्फी अवार्ड दिए जाएंगे। इसके अलावा बेस्ट सेल्फी विद डॉटर पंचायत अवार्ड दिया जाएगा। यह अवार्ड उस पंचायत को दिया जाएगा जिसने महिला हितेषी पंचायत के रूप में कार्य करते हुए महिलाओं के हित में प्रस्ताव पारित किए तथा गांव के विकास की योजनाओं को बनाते समय महिलाओं के सुझावों को आगे रखा।

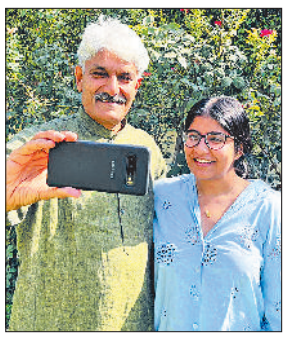

रोहतक। कुलपति प्रो. राजबीर सिंह अपनी बेटी के साथ सेल्फी लेते हुए।

पर्यावरण संरक्षण को समर्पित अभियान 15 अगस्त तक पौधरोपण किया जाएगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

पर्यावरण दिवस के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी द्वारा 5 जून से 15 अगस्त तक विशेष वृक्षारोपण अभियान चलाया जाएगा। यह जानकारी बीजेपी जिला अध्यक्ष रणवीर सिंह ढाका ने आज़ादगढ़ स्थित वेद पीजी कॉलेज में कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए दी। उन्होंने बताया कि पर्यावरण संरक्षण की दिशा में यह अभियान एक जनआंदोलन के रूप में संचालित होगा, जिसके लिए जिला के सभी मंडलों में संयोजक और सह-संयोजकों की नियुक्ति कर दी गई है। बीजेपी जिला मीडिया प्रभारी वेदपाल हुड्डा ने बताया कि ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन को देखते हुए अब समय की मांग है कि प्रत्येक नागरिक पर्यावरण संरक्षण को अपनी जिम्मेदारी माने। उन्होंने आमजन से एक पेड़ मां के नाम अभियान से जुड़ने का आह्वान करते हुए कहा कि यह कार्य आने वाली पीढ़ियों की सुरक्षा के लिए एक पुण्य यज्ञ के समान है। प्रत्येक मंडल में चार-चार सह-संयोजक, जिनमें एक महिला पदाधिकारी भी अनिवार्य रूप से शामिल रहेंगी, ताकि महिला भागीदारी से अभियान को और गति मिल सके।

जयहिंद ने पदाधिकारियों के साथ मीटिंग की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

जयहिंद सेना प्रमुख नवीन जयहिंद द्वारा रविवार जयहिंद सेना के पदाधिकारियों की मीटिंग बुलाई गई। जिसमें नवीन जयहिंद ने समाज और जनता के मुद्दे उठाने वाले कोर क्रांतिकारी साथियों को आमंत्रित किया गया। ताकि आमजन की समस्याओं का समाधान करवाया जा सके।

नवीन जयहिंद ने बताया कि हम आज से नहीं पिछले 21, 22 सालों से अलग-अलग सरकार और मुख्यमंत्री के सामने जनता के मुद्दे ओर समस्याएं उठा रहे हैं लेकिन कुछ नेताओं को यह हजम नहीं हो रहा।

सनातन धर्म हनुमान मंदिर में लगाया शिविर 111 मरीजों का स्वास्थ्य जांचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

एसएन जन वेलफेयर एसोसिएशन, सुभाष नगर द्वारा श्री सनातन धर्म हनुमान मंदिर में निःशुल्क स्वास्थ्य एवं नेत्र शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में आए मरीजों का चिकित्सकों द्वारा निःशुल्क चेकअप व इलाज किया गया। मुफ्त इलाज पाकर लोगों ने राहत की सांस ली है।

जांच के दौरान आए मरीजों का सुगर, श्वास, ब्लड, हार्ट, दांत, नेत्र आदि का चेकअप किया गया। इसके बाद मरीजों को चिकित्सकों ने निःशुल्क दवाओं का भी वितरण किया। एक बजे तक चले स्वास्थ्य शिविर में कुल 111 मरीजों के स्वास्थ्य की जांच की। शिविर में कलानौर से विधायक श्रीमती शकुंतला खटक ने भी शिरकत की और हेल्थ चेकअप करवाया। जांच करवाने आए लोगों ने वेलफेयर एसोसिएशन के सभी सदस्यों विशेष रूप से प्रधान जतिन बत्रा, महासचिव अशोक हुड़िया एवं संयोजक हरीश चावला का इस सफल आयोजन के लिए आभार व्यक्त किया।

रोहतक। शिविर में कलानौर से विधायक शकुंतला खटक की जांच करते डॉक्टर।

कर्मचारियों ने सीबीआई से जांच की मांग उठाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

- भूख हड़ताल पर बैठने की चेतावनी दी

भ्रष्टाचार की निष्पक्ष जांच की मांग को लेकर एक सप्ताह से हड़ताल पर बैठे पीजीआई के कर्मचारियों ने हड़ताल के सातवें दिन भ्रष्टाचार की सीबीआई जांच की मांग की। हड़ताल करने वाले कर्मचारियों ने कहा कि जब भ्रष्टाचार की शिकायतें की गई हैं तो कार्रवाई क्यों नहीं हो रही। कर्मचारियों ने कहा कि हमें पीजीआई प्रशासन द्वारा की जा रही जांच पर कोई विश्वास नहीं है। कर्मचारियों ने कहा कि अब आने वाले दिनों में कर्मचारियों की मांगे नहीं मानने पर कर्मचारी आमरण अनशन और भूख हड़ताल पर बैठेंगे। जो अधिकारी कह रहे हैं कि जल्द ही कौशल रोजगार में इन्हें सम्मिलित किया जाएगा तो फिर पिछले 4 साल से अधिकारी क्या कर रहे थे। क्या कर्मचारियों की मांगों पर हड़ताल के समय ही ध्यान दिया जाता है। उन्होंने कहा कि पीजीआई प्रशासन ही कर्मचारियों का दुश्मन बन कर बैठा है।

भारतीय भाषा समर कैंप का समापन

रोहतक। राजकीय माध्यमिक विद्यालय जिला कारागार के प्रांगण में भारतीय भाषा समर कैंप का समापन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय मुखिया नीलम देवी द्वारा छात्र छात्राओं को पर्यावरण संरक्षण के लिए अधिक से अधिक पेड़ लगाने व जीवन में सत्य पथ पर अग्रसर रहने के लिए प्रेरित किया। छात्र छात्राओ को उपहार देकर सम्मानित किया गया।

इस शुभ अवसर पर मुख्याध्यापिका पूनम व स्टाफ सदस्य निर्मला, भावना व विद्यालय प्रबंधन समिति के अध्यक्ष जोगिंदर व सदस्य राजेश, सीमा, चंद्रभान आदि उपस्थित रहे।

9 जुलाई की हड़ताल को लेकर बनाई रणनीति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा की राज्य कार्यकारिणी की बैठक रविवार को सर्व कर्मचारी संघ भवन में राज्य प्रधान धर्मबीर फोगाट की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक का संचालन महासचिव नरेश कुमार ने किया। बैठक का मुख्य फोकस आगामी 9 जुलाई को प्रस्तावित राष्ट्रव्यापी हड़ताल की तैयारियों पर रहा।

धर्मबीर फोगाट ने बताया कि हड़ताल के प्रमुख मुद्दों में चार लेबर कोड को रद्द करने की मांग प्रमुख है, क्योंकि इनके लागू होने से कर्मचारियों को नियमित सेवाओं से वंचित कर टर्म बेस्ड किया जाएगा। बैठक में सभी जिलों में जत्थे निकालने, विभागीय यूनियनों की बैठकें आयोजित कर तैयारी की व्यापक रूपरेखा बनाने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही पिछली बैठकों की समीक्षा, ब्लॉक व जिला स्तरीय ऑडिट व आगामी कार्यक्रमों के क्रियान्वयन पर चर्चा हुई। बैठक में नरेश शास्त्री, सुरेश नोहरा, संदीप सांगवान, जयबीर चहल, सत्यबीर स्वामी, जरनेल सिंह व प्रेम गलोडिया ने हड़ताल को सफल बनाने का भरोसा दिलाया।

रोहतक। बैठक को सम्बोधित करते राज्य प्रधान धर्मबीर फोगाट।

यह है मुख्य मांगे

सभी कच्चे कर्मचारियों को नियमित करना व समान काम के लिए समान वेतन लागू करना। एचकेआरएन के तहत कार्यरत कर्मचारियों की सेवा सुरक्षा व विभागीय रोल में शामिल करना। एचकेआरएन को भंग करना, न्यूनतम वेतन का पुनर्निर्धारण, हरियाणा के लिए अलग से वेतन आयोग का गठन, पुरानी पेंशन योजना बहाल करना व पीएफआरडीए बिल रद्द करना, विभागों में नए पद सृजित कर अकादमिक मेरिट के आधार पर भर्ती करना, विभागों का विस्तार आदि मांगें शामिल हैं।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20,
फोन : 9253681010, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

साईज	संस्करण	विशेष छूट राशि
5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी	स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर	रु. 2500/- रु. 3000/-

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
सिटी कार्यालय :- हरिभूमि, कृषि विज्ञान केन्द्र के सामने, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9996959400
मुख्य कार्यालय :- हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक फोन : 9253681019-20

आर्य वीर प्रशिक्षण शिविर में बोले स्वामी शान्तानन्द

भारतीय संस्कृति का मूल आधार हैं वेद

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

भारतीय संस्कृति का मूल आधार वेद हैं। यहां सीखी हुई सारी बातें घर जाकर दोहरानी हैं और उन्हें आचरण में उतारना है। हमें अच्छे कर्म करने चाहिए और इच्छाओं पर नियंत्रण रखते हुए संयमी जीवन जीना चाहिए। ये विचार आर्य वीर दल के तत्वाधान आर्य नगर स्थित वैदिक भक्ति साधन आश्रम में आयोजित आर्य वीर प्रशिक्षण शिविर के समापन सत्र के दौरान मुख्य वक्ता स्वामी शान्तानन्द ने व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि ईश्वर हमेशा जागता है। उसका मुख्य नाम ओम है। उन्होंने बताया कि आर्य पुरुष में आठ गुण होते हैं- श्रेष्ठ, सत्यवादी, सदाचारी, धर्मात्मा, परोपकारी, जितेंद्रिय, ईश्वर पुत्र, आर्यावर्त देश में सदा से रहने वाला। मांसाहार, दुराचार, भ्रष्टाचार, नशा पान, गंदी फिल्में देखना, जुआ खेलना दुर्व्यसन हैं, इनका त्याग करें। समापन सत्र में आर्यवीरों ने गीत, कविता, भाषण आदि बौद्धिक एवं लाठी, तलवार, भाला, लेजयिम, सूर्य नमस्कार, भूमि नमस्कार, सर्वांगसुन्दर व्यायाम आदि की मनोहारी प्रस्तुति दी। कोषाध्यक्ष संजय कथूरिया ने 'समझ लो वही आर्य वीर हो तुम' गीत सुनाकर आर्य वीरों के कर्तव्य बताये। शिविर उपाध्यक्ष आचार्य शक्तिदेव ने समय के सदुपयोग का महत्व बताया। बौद्धिक अध्यक्ष आचार्य प्रवीन्द्र ने कहा कि यदि कर्ता, साधन और विधि ठीक हो तो सफलता मिलती है। माता, पिता और गुरु को प्रसन्न करने वाला व्यक्ति सफल है। शिविर अध्यक्ष ओमप्रकाश आर्य ने बच्चों को शुद्ध आचरण करने का संकल्प दिलवाया। जिला संचालक सतीश आर्य ने धन्यवाद किया। प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन करने वाले बच्चों को पुरस्कृत किया गया। अतिथियों एवं व्यायाम शिक्षकों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में जगदीश आहूजा, देसराज आर्य, अंकुर अरोड़ा, सचिन दुआ, यशपाल भाटिया, संदीप काहनी, हितेश, योगेश मौजूद रहे।

श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ ने की राज्य स्तरीय बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रोहतक

आर्य नगर स्थित रविदास हॉस्टल में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य पदाधिकारियों की मीटिंग हुई। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे सुरजीत सिंह राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री गुरु रविदास विश्व महापीठ ने शिरकत की। उनको पगड़ी पहना कर स्वागत किया गया। उनके साथ हरियाणा अध्यक्ष रामलाल आर्य की अध्यक्षता में राजेश सुनारिया प्रदेश संगठन मंत्री के संयोजन में दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष प्रो मनोज केन, उत्तर प्रदेश अध्यक्ष प्रो विक्रमजीत, जयभगवन राठी, प्रेम सिंह, राज सिंह अम्बेडकर, सोनू प्रदेश उपाध्यक्ष और अध्यक्ष हरियाणा जिला पार्षद एसोसिएशन संदीप आदि मौजूद रहे।

राष्ट्रीय अध्यक्ष सुरजीत सिंह ने बताया कि समस्त भारत में राज्यों में संगठन खड़ा किया जा रहा है। हरियाणा में भी उनका संगठन मजबूती से काम कर रहा है। उन्होंने कहा समाज में जागरूकता लाने के लिए अथक प्रयास किए जाते रहेंगे। इस अवसर पर सूरजमल किलोई पूर्व पार्षद, जगबीर अहलावत पूर्व डीएसपी, जयभगवान लड़वाल, देवेंद्र ,राकेश कुमार आदि ने भी सम्बोधित किया।